कोटद्वार, गुरूवार
12 फरवरी 2026
वर्षः 48
अंकः 259 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

धामी सरकार की कैबिनेट बैठक में 6 प्रस्तावों पर मुहर

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बुधवार को देहरादून स्थित सचिवालय में हुई बैठक में 6 प्रस्तावों पर मुहर लग गई। इनमें सबसे अहम मुद्दे कैबिनेट में बोनस एक्ट, ईएसआई में डॉक्टर्स के पदों पर मंजूरी, कारागार एक्ट में संशोधन, सूक्ष्म खाद्य योजना और वन विभाग के के दैनिक कर्मियों को न्यूनतम मानदेय से संबंधित हैं।

1.राज्य मंत्रिमंडल के निर्णय के बाद उत्तराखंड में ड्रग फ्री मुहिम और तेज होगी। अभी तक एंटी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स में पुलिस फोर्स से प्रतिनियुक्ति पर कार्मिक लिए जा रहे थे। टॉस्क फोर्स का गठन 2022 में किया गया था। अब इस फोर्स के लिए अलग से ढांचा खड़ा करने की शुरूआत हुई है। इस क्रम में राज्य मुख्यालय में पहली बार 22 पदों का सृजन किया गया है। एक पुलिस उपाधीक्षक, दो ड्रग निरीक्षक, एक निरीक्षक, दो उपनिरीक्षक, चार मुख्य आरक्षी और आठ आरक्षी, दो आरक्षी चालक समेत कुल 22 पद सृजित किए जाएंगे।

2.राज्य मंत्रिमंडल ने वन विभाग में कार्यरत दैनिक श्रमिकों को न्यूनतम वेतनमान दिए जाने का निर्णय लिया है। इस संबंध में मंत्रिमंडलीय उप–समिति ने सरकार को संस्तुति दी थी। इस आधार पर सरकार ने 589 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को न्यूनतम 18 हजार रूपये वेतन देने का निर्णय लिया है। वन विभाग/वन विकास निगम में कार्यरत दैनिक श्रमिकों की कुल संख्या 893 है, जिसमें से 304 श्रमिकों को पूर्व से ही न्यूनतम वेतनमान का लाभ प्राप्त हो रहा है।

3.राज्य मंत्रिमंडल ने कर्मचारी राज्य बीमा योजना (ईएसआई) के अंतर्गत चिकित्सा सेवा संवर्ग के चिकित्सा अधिकारियों और उच्चतर पदों की सेवा–शर्तों के निर्धारण के संबंध में भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस क्रम में उत्तराखण्ड

कर्मचारी राज्य बीमा योजना, श्रम चिकित्सा सेवा नियमावली, 2026 को प्रख्यापित किया गया है, जिसके तहत कुल 94 पद होगें। इनमें 76 चिकित्सा अधिकारी, 11 सहायक निदेशक, छह संयुक्त निदेशक और एक अपर निदेशक का पद शामिल है। इससे पहले, ईएसआई के ढांचे में एक सीएमओ और 13 चिकित्सा अधिकारी के पद शामिल थे।

4.मुख्यमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना की कार्यान्वयन अवधि वित्तीय वर्ष 2025–26 तक विस्तारित किए जाने के संबंध में भी राज्य मंत्रिमंडल ने निर्णय लिया है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा केंद्र प्रायोजित योजना प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना की कार्यान्वयन अवधि को एक वर्ष के लिए 31 मार्च 2026 (वित्तीय वर्ष 2025–26) तक बढ़ाया गया है। इस क्रम में राज्य सेक्टर के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना की कार्यान्वयन अवधि को भी वित्तीय वर्ष 2025–26 (दिनांक 31 मार्च 2026) तक विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया है कि भविष्य में यदि भारत सरकार के स्तर पर इस योजना की अवधि विस्तारित होती है, तो राज्य में भी इसे विस्तारित माना जाएगा।

5.राज्य मंत्रिमंडल ने उत्तराखंड कारागार और सुधारात्मक सेवाएं (संशोधन) अधिनियम, 2026 के प्रारूपण के संबंध में भी निर्णय लिया है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों में यह निर्देशित किया गया है कि कारागार नियमावलियों/मॉडल प्रिजन मैनुअल में प्रयुक्त आदतन अपराधी शब्द की परिभाषा संबंधित राज्य विधानमंडलों द्वारा अधिनियमित कानूनों के अनुरूप होनी चाहिए। संशोधन विधेयक को आगामी सत्र में माननीय उत्तराखंड विधान सभा के समक्ष पुनः स्थापित किए जाने की राज्य मंत्रिमंडल ने अनुमोदन प्रदान कर दिया है।

6.कोविड–19 वैश्विक महामारी के दौरान उद्योगों को राहत प्रदान किए जाने के उद्देश्य से बोनस संदाय (उत्तराखण्ड संशोधन) विधेयक, 2020 के अंतर्गत यह प्रावधान किया गया था कि नियोजक के पास आवंटनीय अधिशेष उपलब्ध होने की स्थिति में ही कर्मचारियों को न्यूनतम बोनस का भुगतान किया जाएगा। उक्त विधेयक में किए गए प्रावधानों के संबंध में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा असहमति व्यक्त की गई। साथ ही वर्तमान में कोविड–19 महामारी जैसी परिस्थितियाँ विद्यमान न होने तथा गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित विधेयक को राष्ट्रपति की अनुमति के बिना विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग, उत्तराखण्ड शासन को उपलब्ध कराए जाने के कारण विधेयक को आगे बढ़ाया जाना संभव नहीं हो पाया।

एक नजर

सिक्योरटी गार्ड ने फाँसी लगाकर आत्महत्या को दिया अंजाम

हरिद्वार। पथरी क्षेत्र के गांव पदार्था स्थित एक नामी फैक्ट्री के सिक्योरटी गार्ड ने बुधवार को गृह क्लेश के चलते अपने कमरे में पंखे से खुद को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी में भेज दिया है। इसके साथ उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी है। पुलिस को फैक्ट्री सुपरवाइजर ने घटना की सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुची। वहां फैक्ट्री कर्मचारी सुकांता (52 वर्ष) पुत्र सोना चंद निवासी ऊना कोटि तिरुपुरा अपने कमरे में पंखे पर रस्सी के फंदे से लटका था। पुलिस ने उसे पंखे से उतारकर जिला अस्पताल भेजा। चिकित्सकों ने उसे मृतक घोषित कर दिया। पुलिस जांच में पता चला कि उसके घर मे कलेश चल रहा था। वह फैक्ट्री में बने कमरे में रहता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखा है। मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है। एसओ पथरी मनोज नौटियाल ने बताया सुरक्षा गार्ड के शव को शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है।

मुफ्त का पानी गटक रहे विभागों और उपभोक्ताओं को नोटिस

नैनीताल। शहर में कई उपभोक्ता पानी तो पी रहे हैं, मगर बिल चुकाने को तैयार नहीं है। इनमें सबसे ऊपर सरकारी विभाग हैं। उपभोक्ताओं पर जल संस्थान का कुल 4.37 करोड़ रुपये का बकाया है। इन सभी को जल संस्थान ने नोटिस जारी किए हैं। जल संस्थान से मिली जानकारी के अनुसार, नगर पालिका पर पानी के बिल का सर्वाधिक करीब 90 लाख रुपये और बीडी पांडे जिला अस्पताल पर 70 लाख रुपये का बकाया है। इसके अलावा रैमजे हॉस्पिटल पर 60 लाख रुपये, लोनिवि पर 27 लाख रुपये, लोनिवि प्रांतीय खंड पर 18 लाख रुपये की देनदारी है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर 25 लाख और ऊर्जा निगम पर 19 लाख रुपये का बकाया है। इसके साथ ही अन्य विभागों और शहरवासियों का भी पानी के बिल का भुगतान लंबित है। जल संस्थान ने सभी उपभोक्ताओं से जल्द बकाया बिल जमा करने की अपील की है। जल संस्थान के जेई गजेंद्र सिंह मुनौला ने बताया, कि बिल के भुगतान के लिए नोटिस जारी किए गए हैं।

पेड़ पर फंदे से लटका मिला अधेड़ का शव

रुद्रपुर। घर से लापता एक अधेड़ व्यक्ति का शव पेड़ पर फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, गदरपुर थाना क्षेत्र के गांव महतोष के समीप संजय नगर निवासी 49 वर्षीय मदन सरकार पुत्र भक्तों सरकार बुधवार सुबह करीब पांच बजे से घर से लापता थे। परिजनों और ग्रामीणों ने उनकी आसपास के क्षेत्रों में तलाश की। इसी दौरान एक ग्रामीण ने गांव के पास खेत किनारे पेड़ से फंदे के सहारे उनका शव लटका देखा और अन्य ग्रामीणों को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई की। मदन सरकार विवाहित थे। उनके परिवार में पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा हैं। गदरपुर कोतवाल संजय पाठक ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नौकरी का झांसा देकर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप

रुद्रपुर। शक्तिफार्म क्षेत्र में नौकरी और शादी का झांसा देकर सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने शक्तिफार्म निवासी एक युवक और उसके परिचित पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, क्षेत्र निवासी एक युवती की मुलाकात बैकुंठपुर, शक्तिफार्म निवासी अविनाश विश्वास से हुई थी।

आरोप है कि अविनाश ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर 18 अप्रैल 2024 को उसे रुद्रपुर के एक होटल में स्टाफ से मिलाने के बहाने बुलाया, जहां नशीला पदार्थ देकर दुष्कर्म किया और आपत्तिजनक फोटो खींच लीं। इसके बाद शादी और नौकरी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए।

तिब्बती मार्केट में बदमाशों ने युवक को मारी गोली, मौत

देहरादून : देहरादून के प्रसिद्ध तिब्बती मार्केट में एक युवक की बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना सुबह करीब 10:30 बजे की है जब युवक पाइनएप्पल खरीद कर पैदल ही वापस जीप की तरफ लौट रहा था। मृतक टेनिस खेलने के लिए परेड ग्राउंड में आया हुआ था। परेड ग्राउंड के बाहर पाइनएप्पल खरीद कर पैदल चल ही रहा था कि दो बाइक सवारों ने गोली मार दी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को दून अस्पताल पहुंचाया। गोली दिल के पास लगने से डॉक्टर ने युवक को मृत घोषित कर दिया गया। शव को मोर्चरी में रखा गया है। एसपी सिटी प्रमोद कुमार सीओ सिटी और कई थानों की पुलिस फोर्स सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। घटना से बाजार में दहशत का माहौल है। इस वजह से तिब्बती मार्केट बंद किया गया है। परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों ने बताया कि मृतक को पहले भी कई बार जान से मारने की धमकी मिल चुकी है। इसकी शिकायत उसने कई बार थाने में भी की थी। (एजेंसी)री।

स्कीइंग खेलों के लिए औली तैयार, पहुंचने लगी टीमें

चमोली। औली में राष्ट्रीय स्कीइंग चैंपियनशिप और विंटर कार्निवल का रोमांच 13 फरवरी से शुरू होगा। खेलों के लिए तैयारियां पूरी कर ली गईं हैं। विभिन्न राज्यों से प्रतिभाग करने वाली टीमें औली पहुंच रहीं हैं। देर शाम टीमों के आने का सिलसिला जारी रहा। औली में राष्ट्रीय शीतकालीन खेल और विंटर कार्निवल की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। अंतरराष्ट्रीय स्लोप में बर्फ कम होने के चलते इस बार खेलों का आयोजन आठ नंबर टावर से ऊपरी हिस्से में किया जा रहा है। इस कारण इस बार स्लोप छोटा रखा गया है। आईटीबीपी औली के डिप्टी कमांडेंट नानक चंद ने बताया कि कार्निवल व राष्ट्रीय खेलों के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गईं हैं। औली में फेडरेशन ऑफ आइस स्पोर्टस की ओर से मान्यता प्राप्त स्लोप है जहां पर स्लैलम और जायंट स्लैलम की प्रतियोगिताएं होंगी। स्लैलम में 25 से अधिक व जायंट स्लैलम में 15 से 20 गेट लगाए जा रहे हैं। बुधवार अपराह्न तक गुजरात, जम्मू–कश्मीर, हिमाचल और सेना की टीमें पहुंच गई हैं, देर शाम तक अन्य टीमें पहुंचेंगी। उत्तराखंड की टीम से इस

बार 35 खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं।

उद्घाटन में सीएम का कार्यक्रम है प्रस्तावितः औली में खेल व कार्निवल का उद्घाटन 13 फरवरी को सुबह सात बजे होगा। उद्घाटन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज का कार्यक्रम प्रस्तावित है। सभी टीमें 12 फरवरी को औली में पहुंचकर रिपोर्ट देंगी।

बाहर के खिलाड़ियों में उत्साहः राष्ट्रीय खेलों के लिए बाहर से आने वाले खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह नजर आ रहा है। पुणे के सिद्धार्थ गाडेकर जो खेलो इंडिया के स्की पर्वतारोहण में स्वर्ण पदक विजेता हैं उनका कहना है कि औली में पहली बार स्कीइंग के लिए पहुंचे हैं। यहां काफी अच्छा स्लोप है और औली काफी सुंदर जगह है। अन्य खिलाड़ी भी उत्साहित नजर आए।

बहन पर टिप्पणी की तो भाई ने पत्थर से कुचलकर कर दी युवक की हत्या

हरिद्वार। शराब के नशे में बहन के चरित्र पर टिप्पणी करने पर कनखल में 15 साल के कुणाल की हत्या की गई थी। पुलिस ने बुधवार को वारदात का खुलासा करते हुए कुणाल के करीबी दोस्त अरविंद शर्मा को गिरफ्तार किया है। हत्या करने के बाद आरोपी अरविंद मथुरा भाग गया था।

एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि सात फरवरी को श्रीयंत्र मंदिर के पास गंगा किनारे झाड़ियों में एक किशोर का शव मिला था। मृतक की पहचान कुणाल (15 वर्ष) पुत्र रोहिताश, निवासी रामपुर रायघाटी थाना लक्सर, हाल निवासी लाटोवाली थाना कनखल के रूप में हुई। कुणाल छह फरवरी की शाम से लापता था। कुणाल कढ़ी चावल की दुकान पर काम करता था। उसके सिर पर पत्थर से वार कर हत्या की गई थी। पुलिस ने शुरुआती जांच में पूछताछ के लिए कुणाल के कई दोस्तों से पूछताछ की लेकिन हत्या का सुराग नहीं मिल पाया। इस दौरान सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल में कुणाल एक युवक के साथ

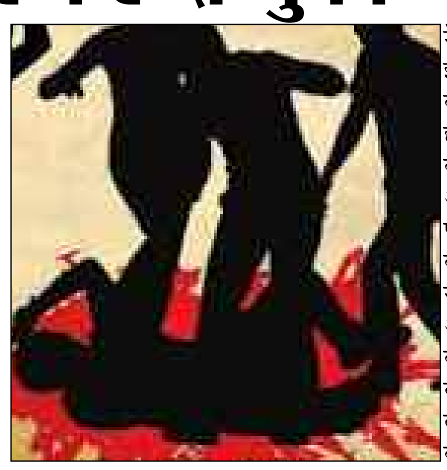

शराब खरीदकर स्कूटी से गुजरता नजर आया। कुणाल के साथ सवार युवक की पहचान अरविंद उर्फ शिवम पुत्र संदीप शर्मा निवासी पतवारी मंदिर के पीछे, दुर्गा कॉलोनी, थाना गोवर्धन, मथुरा यूपी हाल निवासी लाटोवाली कनखल के तौर पर हुई। बहन पर टिप्पणी करने पर की हत्या अरविंद की तलाश के कई टीमें लगाई गई। आखिरकार अरविंद को पुलिस मथुरा से गिरफ्तार कर ले आई। पूछताछ में अरविंद ने बताया कि वह इलेक्ट्रिशियन के तौर पर काम करता है। अपनी नानी के घर पर हरिद्वार में रहता हे। वह और कुणाल दोनों दोस्त थे। वे अक्सर शराब पीते थे। सात फरवरी को भी दोनों शराब पीने के लिए श्रीयंत्र मंदिर के सामने सुनसान इलाके में पहुंचे। अरविंद ने बताया कि शराब पीने के दौरान कुणाल ने अरविंद की बहन के चरित्र पर टिप्पणी कर दी। इस पर अरविंद ने कुणाल को टोका लेकिन कुणाल नहीं माना और उसकी बहन पर टिप्पणी करता रहा। गुस्साए अरविंद ने कुणाल के सिर पर पत्थरों से वार कर दिए। कई बार वार करने पर उसकी मौत हो गई। वह कुणाल का शव छोड़कर फरार हो गया। खुलासे में शामिल पुलिस व सर्विलांस टीम मामले के खुलासे में थाना कनखल पुलिस, सर्विलांस टीम और कोतवाली नगर व रानीपुर पुलिसकर्मियों की भूमिका रही।

दर्दनाक हादसा : जयपुर–आगरा हाईवे पर डिवाइडर से टकराकर ट्रेलर से भिड़ी कार; 6 की मौत

दौसा ,राजस्थान के दौसा जिले में जयपुर–आगरा नेशनल हाईवे (एनएच–21) पर बुधवार की दरमियानी रात को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में 6 युवकों की मौत हो गई। हादसा जिले के सिकंदरा थाना क्षेत्र के कैलाई गांव के पास हुआ। कालाखो गांव के निवासी छह युवक एक कार में सवार होकर यात्रा कर रहे थे। फिर अचानक कार बेकाबू हो गई और हाईवे के डिवाइडर से टकराकर दूसरी लेन में जा पहुंची। तभी एक ट्रेलर से कार की जोरदार भिड़ंत हो गई। पुलिस के अनुसार कार में सवार सभी लोग कालाखो गांव के निवासी थे और एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। कार की टक्कर इतनी भीषण थी कि 4 लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि बाद में दो और युवक ने दम तोड़ दिया। हादसे में मृतकों की पहचान लोकेश पुत्र गोवर्धन योगी, दिलखुश पुत्र बनवारी लाल योगी, मनीष पुत्र हरिमोहन योगी, अंकित पुत्र लालराम बैरवा और समयसिंह पुत्र रामसिंह योगी के रूप में हुई है। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए अलग–अलग अस्पतालों की मोर्चरी में रखवाया गया है। चार शव सिकंदरा अस्पताल, एक शव जयपुर और एक शव दौसा जिला अस्पताल भेजा गया है।

उत्तराखंड में बदलेगा मौसम..

ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी की संभावना

देहरादून। उत्तराखंड के मौसम में अगले कुछ दिनों के दौरान फिर बदलाव आने वाला है। दो पश्चिमी विक्षोभों के प्रभाव से ऊंचाई वाल क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। आने वाले दिनों में पहाड़ों पर बर्फबारी के साथ तेज हवाएं चलने और बिजली गिरने की भी चेतावनी दी गई है। हालांकि इन पश्चिमी विक्षोभों के कमजोर रहने के कारण मैदानी इलाकों में मौसम मुख्य रूप से शुष्क बना रहेगा। सुबह और रात के समय हल्का कोहरा देखने को मिल सकता है।

16 फरवरी को बारिश/बर्फबारीः मौसम विभाग ने 13 और 16 फरवरी को बैक–टू–बैक 2 नए पश्चिमी विक्षोभ के ऐक्टिव होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने इसके प्रभाव से 16 फरवरी से उत्तराखंड में मौसम बदलने का पूर्वानुमान जारी किया है। उत्तराखंड के

उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में 3300 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाली कुछ जगहों पर बहुत हल्की बारिश या बर्फबारी की संभावना जताई है। 17 को भी इन जिलों में मौसम रहेगा खराबः मौसम विभाग ने 17 फरवरी को भी उत्तराखंड के ऊंचाई वाले हिस्सों में मौसम खराब रहने का पूर्वानुमान जारी किया है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में 3300 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाली कुछ जगहों पर हल्की बारिश या बर्फबारी की संभावना जताई है।

मौसम विभाग की मानें तो उत्तराखंड में अगले 3 से 4 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा। इस हफ्ते उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों की घाटियों में कुछ जगहों पर हल्का से लेकर मध्यम कोहरा छाने की संभावना जताई गई है।

राष्ट्रगीत के नियमों में बदलाव, अब खड़ा होना जरूरी

गृह मंत्रालय ने जारी की नई गाइडलाइंस

नई दिल्ली ,। राष्ट्र गान 'जन गण मनझ् की तर्ज पर अब राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम्झ् को भी सरकारी कार्यक्रमों में बजाना और गाना अनिवार्य कर दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस संबंध में एक विस्तृत आदेश जारी करते हुए राष्ट्र गीत के गायन और वादन से जुड़े नियमों को स्पष्ट कर दिया है। मंत्रालय द्वारा 28 जनवरी को जारी किए गए 10 पन्नों के आदेश में साफ तौर पर कहा गया है कि यदि किसी कार्यक्रम में राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम्झ् और राष्ट्र गान 'जन गण मनझ् दोनों को एक साथ गाया या बजाया जाना है, तो वरीयता 'वंदे मातरम्झ् को दी जाएगी, यानी उसे पहले बजाया जाएगा। साथ ही, इसके सम्मान में श्रोताओं को अनिवार्य रूप से सावधान की मुद्रा में खड़ा रहना होगा।

गृह मंत्रालय के नए निर्देशों के मुताबिक, अब विभिन्न आधिकारिक

अवसरों पर 'वंदे मातरम्झ् का छह अंतरों वाला 3.10 मिनट की अवधि का संस्करण बजाया या गाया जाएगा। इन अवसरों में मुख्य रूप से तिरंगा फहराने के कार्यक्रम और सरकारी समारोह शामिल हैं। इसके अलावा, राष्ट्रपति और राज्यपालों के आधिकारिक कार्यक्रमों में आगमन पर, उनके भाषणों से पहले और देश के नाम संबोधन के पहले व बाद में भी इसे बजाना अनिवार्य होगा। यह निर्देश अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में देश के सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, मंत्रालयों और संवैधानिक निकायों को भेज दिया गया है।

मंत्रालय ने अपने आदेश में व्यावहारिकता को ध्यान में रखते हुए कुछ विशेष परिस्थितियों में छूट भी दी है। आदेश के अनुसार, जब भी राष्ट्रीय गीत का आधिकारिक संस्करण गाया या बजाया जाएगा, तब श्रोताओं का सावधान मुद्रा में खड़ा होना आवश्यक है। हालांकि, यदि किसी फिल्म, न्यूज़ रील या डॉक्यूमेंट्री के हिस्से के रूप में राष्ट्र गीत बजता है, तो दर्शकों से खड़े होने की अपेक्षा नहीं की जाएगी। मंत्रालय का तर्क है कि ऐसे समय में खड़े होने से फिल्म का प्रदर्शन बाधित हो सकता है और राष्ट्र गीत की गरिमा बढ़ने के बजाय वहां अव्यवस्था और भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है।

इस आदेश की सबसे खास बात यह है कि अब तक 'वंदे मातरम्झ् के गायन को लेकर कोई लिखित आधिकारिक प्रोटोकॉल मौजूद नहीं था, जबकि राष्ट्र गान 'जन गण मनझ् के लिए धुन, समय सीमा और नियमों का ढांचा पहले से निर्धारित था। यह पहली बार है जब गीत के विस्तारित और छह अंतरों वाले संस्करण को आधिकारिक कार्यक्रमों का हिस्सा बनाने के लिए स्पष्ट नियम लागू किए गए हैं।

पुलिस ऑफिस के पीछे मिला मां–बेटी का शव

दुमका , झारखंड की उपराजधानी दुमका के नगर थाना क्षेत्र से बुधवार सुबह एक सनसनीखेज खबर सामने आए है। यहां वीर कुंवर सिंह चौक के समीप स्थित सदर आरक्षी निरीक्षक (सदर इंस्पेक्टर) के बंद पड़े कार्यालय के पीछे वाले बरामदे से पुलिस ने एक महिला और उसकी छह वर्षीय मासूम बेटी का शव बरामद किया है। दोनों के नाक और मुंह से खून बह रहा था, जिसे देख पुलिस ने प्रथम दृष्टया इसे हत्या का मामला माना है। इस दोहरे हत्याकांड की खबर फैलते ही इलाके में हड़कंप मच गया है।

मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों की पड़ी नजर

घटना का पता तब चला जब बुधवार सुबह स्थानीय लोग मॉर्निंग वॉक करके लौट रहे थे। तभी उनकी नजर सदर इंस्पेक्टर कार्यालय के पिछले बरामदे पर पड़ी, जहां एक 30 वर्षीय महिला और करीब 6 साल की बच्ची का शव पड़ा था। देखते ही देखते वहां लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। दोनों के शवों की स्थिति संदिग्ध थी और नाक–मुंह से खून निकल रहा था। सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ विजय महतो और नगर थाना प्रभारी जगन्नाथ धान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

रिटायर्ड कैग अफसर को 18 दिन घर में कैद रखकर ठगे 2.13 करोड़

गुड़गांव , साइबर सिटी गुड़गांव में ठगी का एक बेहद चौंकाने वाला और सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां साइबर अपराधियों ने एक सेवानिवृत्त कैग अधिकारी और उनकी पत्नी को निशाना बनाते हुए मनी लॉन्ड्रिंग के फर्जी मामले में फंसाने का डर दिखाया। शातिर ठगों ने बुजुर्ग दंपति को 18 दिनों तक 'डिजिटल अरेस्ट में रखा और गिरफ्तारी का खौफ दिखाकर उनकी जिंदगी भर की कमाई यानी कुल 2.13 करोड़ रुपये ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर साइबर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुंबई क्राइम ब्रांच का अफसर बनकर डराया

सेक्टर–64सी के रहने वाले पीड़ित इंद्र कुमार ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि इस खौफनाक सिलसिले की शुरुआत 13 जनवरी को हुई। उनके पास व्हाट्सएप पर एक कॉल आई, जिसमें कॉल करने वालों ने खुद को

सीबीआई, ईडी और मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताया। ठगों ने उनसे कहा कि उनका नाम मनी लॉन्ड्रिंग के एक बड़े मामले से जुड़ा है और नरेश गोयल नामक व्यक्ति के केस में 20 लाख रुपये की संदिग्ध लेनदेन की बात कही गई। यहीं से डराने–धमकाने का खेल शुरू हुआ।

वीडियो कॉल के जरिए 24 घंटे रखी नजर, घर से निकलने पर थी पाबंदी

ठगों का जाल इतना गहरा था कि उन्होंने पीड़ित दंपति को घर के अंदर ही 'डिजिटल अरेस्ट कर लिया। आरोपियों ने स्काइप और व्हाट्सएप वीडियो कॉल के जरिए उन पर लगातार निगरानी रखी।

रणवीर सिंह के बाद अब सलमान के करीबी को मिली धमकी

बिश्नोई गैंग ने मांगी करोड़ों की रंगदारी

मुंबई , सुपरस्टार रणवीर सिंह को जान से मारने की धमकी मिलने के बाद अब बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के बेहद करीबी को धमकियां मिली हैं। इन धमकियों के पीछे कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग का हाथ बताया जा रहा है। धमकी देने वालों ने दोनों ही मामलों में करोड़ों रुपये की रंगदारी की मांग की है, जिसके बाद मुंबई पुलिस और क्राइम ब्रांच ने अपनी चौकसी और बढ़ा दी है।

सलमान के करीबी को ईमेल भेजकर धमकाया

सलमान खान, जो पहले से ही बिश्नोई गैंग के निशाने पर हैं, अब उनके नजदीकी लोगों को भी निशाना बनाया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, सलमान के एक बेहद करीबी और इंडस्ट्री से जुड़े शख्स को एक

धमकी भरा ईमेल मिला है। इस ईमेल में भेजने वाले ने खुद को बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया है और जान बख्शने के एवज में करोड़ों रुपये की मांग की है। हालांकि, अभी तक इस मामले में सलमान खान या उनके किसी सहयोगी की तरफ से पुलिस में कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। इसके बावजूद, मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए मुंबई पुलिस और क्राइम ब्रांच ने एहतियातन सतर्कता बढ़ा दी है और हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

सितारों के घर के आसपास मिली संदिग्धों की लोकेशन

मुंबई क्राइम ब्रांच की जांच में एक और डराने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस को इनपुट मिले हैं कि बिश्नोई गैंग से जुड़े कुछ संदिग्ध लोगों की मोबाइल लोकेशन कई बड़ी बॉलीवुड हस्तियों के घरों के आसपास पाई गई है। इस जानकारी के बाद पुलिस ने अपनी जांच का दायरा बढ़ा दिया है और क्राइम ब्रांच संदिग्धों के सुराग तलाशने में जुट गई है।

कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में एक स्कूल में ताबड़तोड़ फायरिंग, 9 लोगों की मौत, शूटर भी ढेर

टोरंटो , कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में हुई एक सामूहिक गोलीबारी में हमलावर समेत कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, यह घटना मंगलवार (स्थानीय समय) को ब्रिटिश कोलंबिया के टंबलर रिज स्थित एक स्कूल में हुई। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) के मुताबिक, हाई स्कूल के अंदर छह लोग मृत पाए गए। एक अन्य व्यक्ति की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार संदिग्ध हमलावर भी मृत पाया गया। पुलिस का कहना है कि उसकी मौत खुद को पहुंचाई गई चोट के कारण हुई। यह जानकारी कनाडा के प्रमुख मीडिया संस्थान सीबीसी ने दी है। इसके अलावा, एक घर से भी दो लोगों के शव मिले हैं। पुलिस का मानना है कि इस घर का संबंध इसी गोलीबारी की घटना से है। घटना में घायल सभी लोगों को प्राथमिक उपचार देने के बाद अस्पताल भेज दिया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। एमएलए लैरी न्यूफेल्ड ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है।

बंगाल में बाबरी मस्जिद का निर्माण कार्य :

हुमायूं कबीर ने कहा– लोग अपना धर्म मानने के लिए आजाद

कोलकाता ,पश्चिम बंगाल के अल्पसंख्यक बहुल मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद के निर्माण कार्य में ईंटें लेकर पहुंच रहे हैं, जिसकी योजना जनता उन्नयन पार्टी के अध्यक्ष और विधायक हुमायूं कबीर ने बनाई थी। कबीर के एक करीबी सहयोगी ने बताया कि कार्यक्रम बुधवार को दोपहर 12 बजे से 1 बजे के बीच शुरू हो रहा है। इसके बाद गुरुवार से बाबरी मस्जिद के लिए रैली शुरू होगी। यह रैली नादिया जिले के पलाशी से 100 वाहनों के साथ शुरू होगी। प्रत्येक वाहन में चालक सहित छह लोग होंगे। इस प्रकार इस रैली में कुल

600 लोग भाग लेंगे। यह रैली उत्तरी दिनाजपुर जिले के पलाशी से इटाहार तक कुल 265 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। रैली आयोजित करने की आवश्यकता बताते हुए कबीर ने कहा कि चूंकि कई स्वार्थी तत्व बेलडांगा में बाबरी मस्जिद के निर्माण के बारे में गलत सूचना फैला रहे थे, इसलिए इस रैली का उद्देश्य लोगों को इस निर्माण के बारे में सूचित करना था। जनता उन्नयन पार्टी के अध्यक्ष हुमायूं कबीर ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए बताया, निर्माण कार्य तीन साल के भीतर पूरा हो जाएगा। इस ढांचे के निर्माण में लगभग 55 करोड़ रुपए की लागत आएगी। मस्जिद के द्वार की ऊंचाई 14 मीटर होगी।

सम्पादकीय

मित्र पुलिस का बेबस चेहरा

उत्तराखंड पुलिस की एक विशेषता है कि वह जितना समाज के आगे खुद को मजबूत दिखाने का काम करती है अंदर से वह उतनी ही कमजोर निशक्त और असहाय सी नजर आती है। अपराध रोकथाम में उत्तराखंड पुलिस का रिकॉर्ड कोई बहुत अधिक सराहनीय नहीं है खास तौर से दिनदहाड़े होने वाली घटनाओं को रोक पाने में उत्तराखंड पुलिस का रिकॉर्ड कोई काबिले तारीफ नहीं है। विडंबना तो यह है कि उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में कानून व्यवस्था का जिस प्रकार से कतरा कतरा छिन्न भिन्न हो चुका है उससे राज्य के दूसरे जनपदों में सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस के इकबाल का आकलन लगाया जा सकता है। देहरादून! जहां मुख्यमंत्री से लेकर शासन प्रशासन के आल्हा अधिकारी विराजमान है तो वहीं दूसरी ओर पुलिस मुख्यालय और तमाम जांच करने वाली एसटीएफ और एसओजी जैसी खुर्राट इकाइयां काम कर रही हो वहीं पुलिस की नाक के नीचे ताबड़तोड़ जघन्य अपराधों को अंजाम देना अपराधियों का दुस्साहस और पुलिस की नाकामी ही कहा जाएगा। मात्र 10/12 दिन के अंतराल में जनपद देहरादून में तीन हत्याओं के साथ पुलिस प्रबंधन तंत्र को अपराधियों ने आईना दिखाया है। हालांकि पुलिस अधिकारी इन घटनाओं में निजी विवाद बताकर अपनी दलील तो रख रहे हैं लेकिन सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि इन जघन्य अपराधों को जिस प्रकार से सरेराह दिनदह-ड़े अंजाम दिया गया वह सामाजिक व्यवस्था में पुलिस के असर को भी प्रदर्शित करती है। दुस्साहस की हद देखिए,राजधानी के व्यस्ततम क्षेत्र में एक तरफ तो लड़की को घर से बुलाकर उसका सड़क पर ही गला काट दिया जाता है तो इसके कुछ दिन बाद ही टेनिस खेल कर लौट रहे कारोबारी को हजारों लोगों की भीड़ के आगे गोली मार दी जाती है और बदमाश बेखौफ फिल्मी अंदाज में निकल जाते हैं। क्या यह सब एक मजबूत कानून और सुरक्षा व्यवस्था को प्रदर्शित करता है? क्या ऐसे माहौल में एक शरीफ आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस कर सकता है? निश्चित तौर पर इसका जवाब नकारात्मकता में ही मिलेगा और अपराधों को रोकने में नाकाम राज्य पुलिस को आलोचनाओं को भी स्वीकार करना होगा। जिस राज्य में शूटर और बदमाश सरेआम घूमते हुए किसी को भी मौत के घाट उतार दे या कोई सिरफिरा पुलिस व्यवस्था को ताक पर रखते हुए किसी का भी गला सड़क पर काट डालें ऐसी व्यवस्था पर समाज का चिंतित होना स्वाभाविक ही है। यह तो तय है कि ऐसी घटनाओं में लिफ्ट आरोपी पकड़े ही जाते हैं लेकिन सवाल उन व्यवस्थाओं को लेकर है जो आम लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लागू की जाती है। उत्तराखंड के विभिन्न जनपदों से मिलने वाली आपराधिक घटनाएं पुलिस तंत्र को कमजोर बना रही हैं और साथ ही अब यह भी महसूस किया जाने लगा है कि शायद हमारी पुलिस केवल सड़क किनारे गाड़ियों को उठाने, चालान काटने या फिर वीआईपी ड्यूटी तक ही सीमित रह गई है।

त्वरित विकास को समर्पित कल्याणकारी केन्द्रीय बजट

डॉ. महेन्द्र सिंह

केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा वर्ष 2026–27 के लिए संसद में पेश किया गया गया बजट देश के त्वरित विकास को समर्पित कल्याणकारी बजट है। इस बजट में समाहित प्रस्तावों में आर्थिक विकास की गति को बढ़ाने और उसे निरन्तर बनाये रखने पर जोर दिया गया है। साथ ही, लोककल्याण के लिए बजट प्रस्तावों पर भी पर्याप्त बल दिया गया है। वित्तमंत्री ने अपने बजट भाषण में तीन कर्तव्यों को उजागर किया। ये हैं : ( ) अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों के प्रति लचीलेपन में वृद्धि करते हुए आर्थिक विकास को गति प्रदान करना और उसे बनाये रखना; जन आकाँक्षाओं की पूर्ति और उनकी क्षमताओं का वर्द्धन करना एवं देश के प्रत्येक परिवार, समुदाय, क्षेत्र और वर्ग तक संसाधनों, सुविधाओं तथा अवसरों की पहुंच को सुनिश्चित करना। इस तरह ये कर्तव्य मोदी सरकार की सर्वसमावेशी एवं पोषणीय विकास की रणनीति को सुस्पष्ट रूप में परिभाषित करते हैं। ध्यातव्य है कि मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के केन्द्र में एक ओर आर्थिक संवृद्धि की गति को तेज करना रहा है वहीं दूसरी तरफ सापेक्षतया वंचित लोगों एवं क्षेत्रों को उनकी क्षमता व सामर्थ्य को बढ़ाते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा में शामिल करना रहा है। इस दृष्टि से यह कहना समीचीन है कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबका प्रयास का ध्येय वाक्य लोकनीतियों के प्रतिपादन एवं कार्यान्वयन का नाभिकेन्द्र रहा है। इसमें आर्थिक समृद्धि एवं लोककल्याण में वृद्धि स्वतः विहित रहे हैं।

मोदी सरकार द्वारा संरचनात्मक आर्थिक सुधारों का मूल विचार रिफार्म, परफार्म व ट्रॉन्सफार्म रहा है। इस बजट में भी, बजट प्रावधानों को अधिक परिणामोन्मुखी बनाने के लिए सुधारों के क्रम को जारी रखा गया है। विकसित भारत के महालक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस बजट में कृषि व ग्रामीण अर्थव्यवस्था, मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र, एमएसएमई, ओडीओपी, रिन्यूबल व न्यूक्लियर एनर्जी, सेमिकंडक्टर, आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्स, जलमार्ग व रेल विकास, डिकार्बनाइजेशन, निर्यात संवर्द्धन, रक्षा क्षेत्र इत्यादि संभावनापूर्ण क्षेत्रों एवं तत्सम्बन्धी क्रियाओं के संवर्द्धन व विकास के लिए वित्तमंत्री द्वारा प्राथमिकता के आधार पर अपेक्षित आवंटन किए गये हैं। साथ ही, मानव पूँजी के निर्माण से सम्बन्धित क्षेत्रों यथा शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला, युवा और दिव्यांग सशक्तिकरण पर पर्याप्त बल दिया गया है। वस्तुतः, मानव पूँजी के बेहतर विकास से राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा जनकल्याण में वृद्धि होगी।

वित्तमंत्री ने इस बजट में राजकोषीय सुदृढ़ीकरण को जारी रखते हुए इस पर विशेष बल दिया है। हाल के वर्षों में जीडीपी के सापेक्ष राजकोषीय घाटा में निरन्तर गिरावट से इस बात की पुष्टि होती है कि मोदी सरकार का राजकोषीय प्रबन्धन सम्बन्धी निष्पादन श्लाधनीय रहा है। वर्ष 2021–22 में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 6.7 प्रतिशत; 2022–24 में 6.5 प्रतिशत 2023–24 में 5.5 प्रतिशत; 2024–25 में 4.8 प्रतिशत एवं 2025–26 में 4.4 प्रतिशत था। इसे 2026–27 के बजट में कम करके 4.3 प्रतिशत पर रख गया है। ये प्रवृत्तियाँ राजकोषीय व्यवस्था की मजबूती की परिचायक हैं।

मोदी सरकार की राजकोषीय प्रवीणता एवं बेहतर वित्तीय प्रबंधन का ही परिणाम है कि जीडीपी के सापेक्ष राजकोषीय घाटा निरन्तर घटा है। साथ ही, वित्तमंत्री इस बात में भी सफल रही हैं कि उन्होंने इस बजट में जीडीपी के सापेक्ष केन्द्र सरकार के ऋण को 55.6 प्रतिशत पर रखा है। यह वर्ष 2025–26 के लिए 56.1 प्रतिशत रखा गया था। साथ ही, इस बजट में जीडीपी के सापेक्ष राजस्व घाटा एवं प्राथमिक घाटा में भी कमी आई है। घटते घाटे एवं ऋण से निजी पूँजी निवेश में वृद्धि होगी।

इस बजट में, राजस्व में सतत वृद्धि; पूँजीगत व्यय में वृद्धि और राजकोषीय पारदर्शिता में सुधार के संकेतकों से भी देश की राजकोषीय सुदृढ़ता की पुष्टि होती है। पूँजीगत खर्च के जरिये अवस्थापना क्षेत्र के विकास ने विकास को तेज करने और रोजगार को बढ़ाने में उल्लेखनीय तौर पर योगदान दिया है। इंफ्रास्ट्रक्चर आर्थिक विकास में धमनियों का कार्य करता है। इसलिए यह कहने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि इन्फ्रास्ट्रक्चर पर मोदी सरकार द्वारा किया गया निवेश लगातार विकास का इंजन बना हुआ है। एक ओर जहाँ केन्द्र सरकार स्वयं पूंजीगत व्यय को बढ़ा रही है; वहीं दूसरी ओर राज्य सरकारों को भी अनुदान व ऋण देकर उनके पूँजीगत खर्च को बढ़ाने में मदद कर रही है। वर्ष 2025–26 की तुलना में 2026–27 के बजट में पूँजीगत आवंटन में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यदि राज्यों को दी जाने वाली अनुदान राशि को भी जोड़ लिया जाय तब प्रभावी पूँजीगत व्यय की वृद्धि 22 प्रतिशत बैठती है। इस तरह मोदी सरकार की यह विचारणा सुस्पष्ट होती है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर की मजबूती आर्थिक उन्नति का मूलाधार है। इस बजट में कुछ विशिष्ट क्षेत्रों क्षेत्रों में पूँजीगत व्यय की वृद्धि दरें इस तरह हैं: टेलीकॉम 97 प्रतिशत; रक्षा 18 प्रतिशत; रेलवे 10 प्रतिशत; सड़क व हाईवे 8 प्रतिशत एवं आवास व नगरीय विकास 6 प्रतिशत। यह तथ्य यह भी दर्शाते हैं कि बेहतर राजकोषीय प्रबन्धन से अब विकासगामी क्रियाओं के लिए अधिक वित्तीय संसाधन उपलब्ध हो रहे हैं।

जीडीपी के सापेक्ष सरकारी ऋण भार को घटाकर 2030–31 तक 50 प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य रखा गया है। स्पष्ट है कि इससे आगामी वर्षों में अवस्थापना के विकास के लिए और अधिक फिस्कल स्पेस मिल सकेगा। उल्लेखनीय है कि पूँजीगत व्यय में मोदी सरकार द्वारा की गई वृद्धि से आय में तो कई गुना वृद्धि होती ही है, इससे रोजगार में भी उल्लेखनीय तौर पर वृद्धि होती है। इस बजट में छोटे, मझोले एवं धार्मिक नगरों के विकास के लिए भी प्रावधान किए गये हैं। नगरीय क्षेत्रों में जन सुविधाओं के बेहतर विकास से जनजीवन सुगम व स्वस्थ होगा। साथ ही, इसके विकास से कारोबार सुगम होगा, इसमें वृद्धि होगी। धार्मिक व साँस्कृतिक स्थलों के उन्नयन से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा देश–विदेश से पर्यटकों की आवाजाही से आर्थिकी सशक्त होगी। इस बजट में हास्पिटेलिटी तथा हेल्थ टूरिज्म से भी लोगों की आजीविका के स्रोतों में वृद्धि, रेल एवं जलमार्गों के विकास एवं अपग्रेडेशन से लाजिस्टिक्स की लागतें घटेंगी। इससे व्यापार में वृद्धि तो होगी ही, साथ ही आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलेगी और अर्थव्यवस्था की स्पर्धात्मकता में वृद्धि से निर्यात–प्रेरित निवेश होगा।

इस बात का उल्लेख करना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि इस बजट में अवस्थापना क्षेत्र के विकास के लिए 12.20 लाख करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। यह एक बड़ी धनराशि है। इससे विकास की गति को तेज करने तथा रोजगार को बढ़ाने में महती सहायता मिलेगी। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के अन्तर्गत इस बजट में 40 हजार करोड़ रुपये रखे गये हैं। इसके अतिरिक्त जिन 7 रोजगारपरक क्षेत्रों को समावेशित किया गया है वे हैं: बायो फार्मा, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रानिक्स कंपोनेन्टस, रेयर अर्थ, रसायन, पूँजीगत वस्तुएँ और टेक्सटाइल्स। इनसे मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की संवृद्धि बढ़ेगी। वस्तुतः, ये अर्थव्यवस्था के उदीयमान क्षेत्र हैं और इनमें उत्पादन, रोजगार व निर्यात की प्रचुर संभावनाएं हैं। इसके अलावा बजट में लघु एवं मध्यम उद्योगों को चैंपियन बनाने के निर्णय से भी इस क्षेत्र का विकास तेज होगा। आत्मनिर्भरता एवं स्वदेशी के लक्ष्यों को प्राप्त करने में एमएसएमई, ओडीओपी तथा खादी क्षेत्र की भूमिका महती स्थान रखती है। रक्षा व्यय में वृद्धि; विशेष तौर पर पूँजीगत व्यय में वृद्धि से भी रक्षा मामले में हमारी आत्म–निर्भरता बढ़ेगी और रक्षा सामग्री का निर्यात बढ़ेगा।

कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए इस बजट में जो प्रावधान किये गये हैं उनसे कृषि एवं गैर–कृषि क्रियाओं के पारस्परिक आर्थिक सम्बन्धों को ताकत मिलेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग से कृषि उत्पादकता बढ़ेगी। कृषि के वाणिज्यीकरण को बढ़ावा मिलेगा। किसानों की आय में वृद्धि होगी। किसानों, युवाओं एवं महिलाओं को उद्यमी बनाने का परिणाम होगा कि स्थानीय स्तर पर आजीविका के स्रोतों का विस्तार होगा।

इससे गाँवों से नगरों को होने वाला पलायन भी रुकेगा। पशु चिकित्सा के लिए बजट में की गयी व्यवस्था से पशुधन में संवर्द्धन होगा। इससे गो आधारित प्राकृतिक कृषि के विस्तार में भी सहायता मिलेगी। इस बजट को यदि समग्र रूप से देखें तो यही निष्कर्ष निकलता है कि यह बजट भारत की घरेलू क्षमता का समुचित उपयोग करते हुए त्वरित आर्थिक विकास एवं लोककल्याण में वृद्धि को समर्पित है।

भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि के लिए नुकसान का पहलू

अमेरिका में टैरिफ 18 प्रतिशत होने से भारत के श्रम–केंद्रित उद्योगों को राहत मिलेगी। लेकिन अमेरिका की भू–राजनीतिक रणनीतियों से जुड़ी शर्तें डील में शामिल हुईं, तो आर्थिक के साथ–साथ भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि के लिए भी वो हानिकारक बात होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करने के बाद डॉनल्ड ट्रंप ने अपने चिर–परिचित अंदाज में भारत से ट्रेड डील होने का एलान किया। कहा कि इसके तहत अमेरिका भारत पर 'लिबरेशन डे टैरिफइ को 25 से घटा कर 18 प्रतिशत कर देगा।

बदले में भारत रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करेगा, अमेरिका से व्यापार में टैरिफ एवं गैर–टैरिफ रुकावटों को शून्य कर देगा, और 500 बिलियन डॉलर के ऊर्जा, तकनीक, कृषि, कोयला एवं अन्य उत्पाद खरीदेगा। 500 बिलियन डॉलर का अर्थ भारत के सालाना बजट का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा (तकरीबन 46 लाख करोड़ रुपये) है।

बहरहाल, ट्रंप के सोशल मीडिया पोस्ट के बाद जारी अपने बयान में प्रधानमंत्री ने सिर्फ यह उल्लेख किया कि भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में अब सिर्फ 18 प्रतिशत आयात शुल्क लगेगा। इससे ट्रेड डील को लेकर फिर से अस्पष्टता बन गई। बहरहाल, यह साफ है कि इस डील को हासिल करने के लिए भारत ने आगे बढ़ कर कई बड़ी रियायतें दी हैं।

उनमें से कई तो करार के पहले ही दे दी गईं। इनमें अमेरिका के कृषि, वाहन, सौंदर्य प्रसाधन, इलेक्ट्रॉनिक्स, धातु एवं केमिकल्स उत्पादों पर भारत में आयात शुल्क में भारी कटौती शामिल है। साथ ही रक्षा सौदों का दायरा बढ़ाया गया। परमाणु उत्तरदायित्व कानून में अमेरिकी कंपनियों के अनुकूल बदलाव किया गया। ट्रंप प्रशासन के दबाव में भारत ने रूस से तेल की खरीदारी घटाई, ऐसी खबरें सुर्खियों में रही हैं। अब अगर ये पहलू ट्रेड डील का हिस्सा है, तो यह बेहद आपत्तिजनक बात होगी। इसलिए कि यह अपने संप्रभु निर्णय को किसी अन्य देश की भू–राजनीतिक जरूरतों के सामने समर्पित करने जैसा होगा। दरअसल, खरीदारियों के बारे में भी कोई व्यक्ति या देश अपनी जरूरत एवं बाजार के तर्कों से फैसला लेता है। किसी दबाव में आकर इस बारे में बंधना अपने हितों से समझौता होगा। अमेरिका में टैरिफ 18 प्रतिशत होने से वस्त्र, जेवरात आदि जैसे श्रम–केंद्रित उद्योगों को राहत अवश्य मिलेगी। लेकिन अमेरिका की भू–राजनीतिक रणनीतियों से जुड़ी शर्तें ट्रेड डील में शामिल हुईं, तो आर्थिक के साथ–साथ भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि के लिए भी वो नुकसान का पहलू होगा।

विश्वास का संकट पैदा

पीएसएलवी के जरिए भारत ने उपग्रहों को धरती की कक्षा में स्थापित करने के कारोबार में अग्रणी देश बनने की महत्त्वाकांक्षा पाली है। मगर लगातार दो नाकामियों के बाद इस परियोजना को लेकर विश्वास का संकट पैदा हो गया है। पीएसएलवी रॉकेट की 62वीं उड़ान की नाकामी से भारत की उपग्रह संबंधी महत्त्वाकांक्षा को गहरा झटका लगा है। ये चोट इसलिए अधिक गंभीर है, क्योंकि पिछले साल मई में पीएसएलवी की 61वीं उड़ान भी फेल हो गई थी। सोमवार को पीएसएलवी–सी62 एक साथ 16 उपग्रहों को लेकर उड़ा, लेकिन उड़ान के तीसरे चरण में उससे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का संपर्क टूट गया। वे उपग्रह कहां गए, सोमवार को यह भी पता नहीं चल सका था। पीएसएलवी–सी61–ईओएस–09 के साथ भी ठीक यही हुआ था। यानी इसरो के वैज्ञानिक सात महीनों के दौरान उस खामी से निजात नहीं पा सके, जिस कारण बीते मई में उनका मिशन विफल हुआ। उस नाकामी की जांच के लिए समिति बनी थी, जिसकी रिपोर्ट प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजी गई, जहां उसे गोपनीय श्रेणी में डाल कर रखा गया है। यानी जिन करदाताओं के पैसे से इसरो चलता है, उन्हें इस सूचना से वंचित रखा गया है कि उनका पैसा क्यों बर्बाद हुआ। अब फिर वैसा ही हादसा ज्यादा बड़े पैमाने पर हुआ है। पीएसएलवी के जरिए भारत ने उपग्रहों को धरती की कक्षा में स्थापित करने के कारोबार में अग्रणी देश बनने की महत्त्वाकांक्षा पाली है। मगर अब आशंका है कि लगातार दो नाकामियों के बाद इस रॉकेट लॉन्च के लिए बीमा की रकम बढ़ जाएगी और जो देश या कंपनियां इसके जरिए अपने उपग्रह भेजना चाहेंगी, उनके लिए इसरो को ठेका देना बेहद महंगा हो जाएगा। विश्वास का जो संकट पैदा हुआ है, वह इसके अलग है। इस विकट स्थिति से निकलने का उचित तरीका यही होगा कि भारत सरकार और इसरो पूरी पारदर्शिता बरतें। वे दोनों नाकामियों के बारे में सभी हित–धारकों को भरोसे में लें। नाकामियों के लिए जवाबदेही तय करना भी जरूरी है। आखिर बिना पुरानी खामी को दूर किए अगले लॉन्च को कैसे हरी झंडी दी गई और किस स्तर पर ये फैसला हुआ, यह देश को मालूम होना चाहिए।

बॉर्डर 2 बॉक्स ऑफिस: वर्ल्डवाइड 500 करोड़ के करीब सनी देओल की फिल्म

बॉर्डर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर अपने शानदार 17 दिन पूरे कर लिए हैं. फिल्म ने इन 17 दिनों में वर्ल्डवाइड 450 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर दिया है. वहीं, फिल्म भारत में 350 करोड़ रुपये के कलेक्शन के करीब पहुंच चुकी है. सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ स्टारर वॉर वेस्ड फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका मचा रखा है. फिल्म अब अपने 500 करोड़ रुपये के कलेक्शन के करीब पहुंचती जा रही है. अभी भी फिल्म के पास इस शुक्रवार तक कमाने का मौका है. क्योंकि इस शुक्रवार से बॉक्स ऑफिस पर नई फिल्में रिलीज होने जा रही है.बॉर्डर 2 ने 17 दिनों में वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 450 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार

लिए हैं. सैकनिल्क की मानें तो फिल्म ने 17वें दिन रविवार को 6.90 करोड़ रुपये कमाए हैं. रविवार के दिन बॉर्डर 2 का हिंदी पट्टी में ऑक्यूपेंसी रेट 21.17 फीसदी दर्ज हुआ है. बता दें, बॉर्डर 2 ने भारत में 375.12 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है और भारत में सबसे कमाऊ 50 फिल्मों की लिस्ट में वह 30वें नंबर पर है. इसमें उसने धूम 3, कांतारा, टाइगर 3, देवरा पार्ट 1, आदिपुरुष, कूली और साहो जैसे बड़े स्टार्स की फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है.

458.16 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. फिल्म अब वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रही है. फिल्म भारत में 350 करोड़ रुपये की ओर भी बढ़ती नजर आ रही है. फिल्म ने 14 दिनों में 323. 89 करोड़ रुपये कमा

टी20 विश्व कप : पाकिस्तान का अपने तेज गेंदबाजों से उठा भरोसा, 20 में 16 ओवर स्पिनर्स ने फेंके

कोलंबो , टी20 विश्व कप 2026 में मंगलवार को कोलंबो में पाकिस्तान और यूएसए के बीच मैच खेला गया। पाकिस्तान ने इस मैच में 32 रन से जीत दर्ज की। पाकिस्तान की इस जीत में उनके स्पिनरों की अहम भूमिका रही। पारी की 80 प्रतिशत गेंदें स्पिनरों ने ही फेंकी।

जब यूएसए की पारी शुरू हुई, तो उम्मीद थी कि पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा कुछ ओवर तेज गेंदबाजों से भी कराएंगे, लेकिन शाहीन अफरीदी को छोड़कर आगा किसी भी तेज गेंदबाज की तरफ नहीं गए। 20 ओवर में शाहीन ने 4 ओवर फेंके। इसके अलावा बाकी के सभी 16 ओवर पाकिस्तान के कप्तान ने स्पिनरों से कराए और इसका परिणाम भी उन्हें जीत के रूप में मिला।

पाकिस्तान के स्पिनरों सईम अयूब ने 1, अबरार अहमद ने 4, मोहम्मद नवाज ने 3, शादाब खान ने 4 और उस्मान तारिक ने 4 सहित कुल 16 ओवर की गेंदबाजी की। टीम में फहीम अशरफ भी थे जो तेज गेंदबाजी करते हैं, लेकिन उन्हें गेंद नहीं दी गई। उस्मान तारिक ने 3, शादाब खान ने 2, और अबरार और नवाज ने 1–1 विकेट लेकर पाकिस्तान को यूएसए के खिलाफ जीत दिलायी।

टी20 वर्ल्ड कप बॉयकॉट पर बांग्लादेश का यू—टन

'खेल सलाहकार बोले— सरकार नहीं, खिलाड़ियों ने खुद किया देश के लिए बलिदान

ढाका ,भारत में आयोजित टी20 वर्ल्ड कप में 'सुरक्षा कारणोंइ का हवाला देकर खेलने से इनकार करने वाले बांग्लादेश ने अब एक नया और चौंकाने वाला दावा किया है। आईसीसी की तमाम कोशिशों और मनाने के बावजूद जब बांग्लादेश ने टीम भेजने से मना कर दिया था, तो उनकी जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल किया गया था। उस समय यह माना जा रहा था कि यह फैसला पूरी तरह से बांग्लादेश सरकार का था, लेकिन अब बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने इस मामले में बड़ा खुलासा करते हुए अपने ही पुराने बयान से यू–टर्न ले लिया है।

'खिलाड़ियों और बोर्ड ने दी कुर्बानी आसिफ नजरुल ने मंगलवार को

रिपोर्टर्स से बातचीत करते हुए कहा कि वर्ल्ड कप का बॉयकॉट करने का फैसला सरकार का नहीं, बल्कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और उनके खिलाड़ियों का निजी फैसला था। उन्होंने दावा किया कि खिलाड़ियों ने देश के क्रिकेट की सुरक्षा, लोगों की सुरक्षा और 'राष्ट्रीय सम्मान की रक्षाइ के लिए अपने वर्ल्ड कप खेलने के सपने का 'बलिदानइ दिया है। नजरुल ने जोर देकर कहा कि वर्ल्ड कप में न खेलने का उन्हें कोई मलाल या अफसोस नहीं है।

जनवरी में कहा था— यह पूरी तरह सरकार का फैसला

खेल सलाहकार का यह नया बयान उनके जनवरी में दिए गए बयानों से बिल्कुल उलट है, जिससे विरोधाभास की स्थिति पैदा हो गई है। जनवरी में खिलाड़ियों के साथ एक बैठक के बाद नजरुल ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने या न लेने का फैसला "पूरी तरह से" सरकार का है। उस समय उन्होंने मीडिया से कहा था कि मीटिंग का मकसद सिर्फ खिलाड़ियों को यह समझाना था कि सरकार ने यह फैसला क्यों लिया है। तब उन्होंने यह भी कहा था कि उन्हें आईसीसी से इंसाफ नहीं मिला, इसलिए सरकार ने कदम उठाया।

संतोष सोभन की फिल्म कपल फ्रेंडली का ट्रेलर आउट

संतोष सोभन की आने वाली फिल्म कपल फ्रेंडली का ट्रेलर इमोशनल पलों के साथ काफी रिलेट करने लायक है। अश्विन चंद्रशेखर द्वारा डायरेक्टेड यह फिल्म चेन्नई में रहने वाले एक स्ट्रगलिंग कपल की कहानी बताती है, जिसमें संतोष सोभन और मानसा वाराणसी ने रॉ और ऑथेंटिक परफॉर्मेंस दी है। चेन्नई में सेट इस फिल्म में तेलुगु और तमिल कल्चर का अनोखा मेल इसके चार्म को और बढ़ाता है। ट्रेलर में कपल की एक छोटे, टूटे–फूटे कमरे में रहने से लेकर ज़िंदगी के उतार–चढ़ाव का एक साथ सामना करने तक का सफर दिखाया गया है। प्यार और रिश्तों के रियलिस्टिक चित्रण के साथ, कपल फ्रेंडली दर्शकों के लिए एक ट्रीट होने का वादा करती है। संतोष सोभन और मानसा वाराणसी के बीच की केमिस्ट्री साफ दिखती है, जो उनके किरदारों की लव स्टोरी को और भी भरोसेमंद बनाती है। कपल्स फ्रेंडली का ट्रेलर वैलेंटाइन डे के लिए एकदम सही है, जिसमें इमोशन, ह्यूमर और ड्रामा का मिक्स है। फिल्म के विजुअल्स, जिन्हें दिनेश ने कैप्चर किया है, और आदित्य रविंद्रन का मधुर बैकग्राउंड स्कोर इसकी अपील को और बढ़ाते हैं।

अनिल कपूर लेकर आए फैमिली बिजनेस, नेटफ्लिक्स ने जारी किया धमाकेदार टीजर

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर हर बार कुछ नया करने के लिए जाने जाते हैं। इस बार भी दर्शक उन्हें एक नए और अलग अवतार में देखेंगे, जिसका आधिकारिक ऐलान हो गया है। उनकी आगामी वेब सीरीज का नाम फैमिली बिजनेस है, जिसका निर्माण विक्रम मल्होत्रा, हंसल मेहता और निरेन भट्ट ने मिलकर किया है। नेटफ्लिक्स पर आगामी सीरीज का टीजर जारी किया गया है, जिसमें अनिल के अलावा, विजय वर्मा मुख्य किरदार में दिखाई दिए हैं। फैमिली बिजनेस के टीजर की शुरुआत अनिल से होती है, जो जेह डावर का किरदार निभा रहे हैं, वहीं विजय उनके बेटे सिड मल्होत्रा के किरदार में हैं। कहानी उस अमीर घराने के इर्द–गिर्द घूमती है, जहां पैसों और पावर के लिए बाप–बेटे भी एक–दूसरे के सगे नहीं होते। रिया चक्रवर्ती भी सीरीज का हिस्सा हैं और लंबे समय बाद अभिनय की दुनिया में लौटी हैं।

पाकिस्तान के साथ मुकाबले से पहले टीम इंडिया के लिए बुरी खबर, अभिषेक शर्मा हुए अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली , टी20–वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया के लिए एक चिंताजनक खबर सामने आई है। टीम के स्टार ओपनर अभिषेक शर्मा को पेट में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ऐसे में 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ खेले जाने वाले मुकाबले में उनके खेलने की संभावना बेहद कम नजर आ रही है। यह मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाना है।

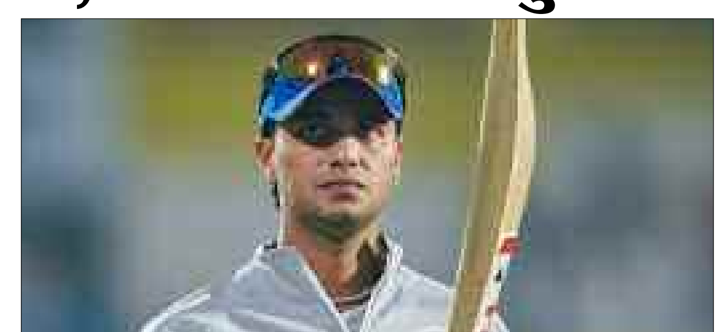

7 फरवरी को अमेरिका के खिलाफ खेले गए पहले मैच के दौरान ही अभिषेक की तबीयत खराब होने की खबरें सामने आई थीं। बताया गया था कि तेज बुखार के बावजूद उन्होंने मैच खेला, जिसके बाद उनकी स्थिति और बिगड़ गई। अमेरिका के खिलाफ मुकाबले में अभिषेक गोल्डन डक पर आउट हो गए थे। बल्लेबाजी के बाद वह टीम इंडिया के डगआउट में भी नजर नहीं आए। उनकी जगह संजू सैमसन ने फील्डिंग की थी। अभिषेक के अलावा जसप्रीत बुमराह भी अस्वस्थ थे, जबकि वॉशिंगटन सुंदर टीम के साथ मौजूद नहीं थे। खिलाड़ियों की कमी के चलते उस मैच में ड्रिंक्स सर्व करने की जिम्मेदारी कुलदीप यादव और फील्डिंग कोच टी. दिलीप ने संभाली थी। यहां तक कि मैच के बाद अभिषेक हैंडशेक के लिए भी मैदान पर नहीं आए थे। 10 फरवरी को आयोजित टीम इंडिया के प्रैक्टिस सेशन में भी अभिषेक शर्मा नजर नहीं आए। टीम मैनेजमेंट ने उनकी गैरमौजूदगी की वजह पेट की परेशानी बताई थी।

एक नजर

पूर्व मंत्री धनाई ने ग्रामीणों को समस्याओं के समाधान का दिया भरोसा

नई टिहरी। ब्लॉक के ग्राम पंचायत आरकोट और गुनोगी पहुंचकर पूर्व कैबिनेट मंत्री दिनेश धनाई ने ग्रामीणों से संवाद कर समस्याएं सुनीं। उन्होंने ग्रामीणों को समस्याओं के निराकरण का भरोसा दिया। पूर्व मंत्री ने कहा कि उनके कार्यकाल में कई योजनाओं को धरातल पर उतारने का काम किया था जिसमें मुख्य सुरकंडा रोपवे, सुरकंडा पेयजल, क्षेत्र के लिए पर्यटन योजनाएं शामिल है। सुरकंडा रोपवे संचालित होने से मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या में अच्छा इजाफा हुआ है। पर्यटन योजना के तहत सौड़–कांणाताल क्षेत्र में होमस्टे योजना को स्वीकृत करवाकर सैकड़ों युवा प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार से जुड़े हैं। इस मौके पर ज्येष्ठ प्रमुख संजय मैठाणी, देव सिंह पुंडीर, बलवीर पुंडीर, संजय रावत, कृष्णा मंमगाई, रामेश्वरी देवी, विनीत पुंडीर, सुमित रावत मौजूद थे।

मिनिस्टीरियल कर्मियों की कलमबंद हड़ताल से कामकाज ठप

चमोली। लोक निर्माण विभाग के मिनिस्टीरियल कर्मचारी नौ फरवरी से कलमबंद हड़ताल पर हैं। इससे विभाग का कामकाज पूरी तरह से ठप पड़ हुआ है। प्रदेश संगठन के आह्वान पर मिनिस्टीरियल कर्मचारी पदोन्नति और पारस्परिक स्थानांतरण की मांग के लिए आंदोलन कर रहे हैं। कर्मचारी सोमवार से कामकाज बंद कर धरने पर बैठे हुए हैं। इससे लोनिवि में योजनाओं की फाइलें आगे नहीं बढ़ पा रही हैं। भुगतान भी ठप हो गया है, इससे निर्माण कार्य प्रभावित होंगे। लोनिवि के अधिशासी अभियंता राजकुमार का कहना है कि कर्मचारियों की हड़ताल से विभगीय कार्य पूरी तरह से प्रभावित हो गए हैं। बुधवार को धरना स्थल पर देवेंद्र कठैत, प्रदीप, अनूप परमार, मोहन लाल नाथ, अमित कुमार, गोकुल कोहली, आनंद नेगी सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

चमोली–ऊखीमठ हाईवे पर हल्दापानी में सुधारीकरण कार्य शुरू

गोपेश्वर। चमोली–ऊखीमठ हाईवे पर गोपेश्वर नगर के हल्दापानी में एनएच की ओर से सुधारीकरण कार्य शुरू कर दिया गया है। यहां करीब आठ मीटर हिस्से में सीमेंट डालकर गड्ढों का भरान किया जा रहा है। साथ ही धंसाव वाली जगहों पर मिट्टी का भरान किया जा रहा है। समस्या प्रकाशित होने के बाद प्रशासन की ओर से मामले का संज्ञान लिया गया। चमोली–ऊखीमठ हाईवे चारधाम यात्रा के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। केदारनाथ मंदिर के दर्शन के बाद अधिकांश तीर्थयात्री इसी मार्ग से होते हुए बदरीनाथ धाम पहुंचते हैं। गोपेश्वर के हल्दापानी में भूधंसाव के चलते हाईवे करीब 40 मीटर हिस्से में धंस गया था। एनएच की ओर से यहां बीते वर्ष टाइल्स बिछाकर वाहनों की आवाजाही सुगम करवाई, मगर कुछ माह बाद ही फिर से धंसाव शुरू हो गया। आठ माह बीत जाने पर हाईवे फिर से बदहाल स्थिति में पहुंच गया। यहां टाइल्स उखड़ जाने से गड्ढे पड़ गए थे।

मामले का संज्ञान लेते हुए एनएच के अधिशासी अभियंता ओंकार पांडे ने अवर अभियंता को शीघ्र हाईवे सुधारीकरण के निर्देश दिए। इन दिनों यहां सड़क पर सीमेंट का काम शुरू कर दिया गया है। सड़क को यहां सुगम बनाया जा रहा है।

डीएम ने ली राजस्व अधिकारियों व कर्मचारियों की समीक्षा बैठक

गोपेश्वर। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने बुधवार को कलेक्ट्रेट में राजस्व अधिकारियों और कर्मचारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में जब उन्होंने बदरीनाथ हाईवे स्थित पीपलकोटी नगर क्षेत्र में जीएसटी में पंजीकृत होटलों की संख्या पूछी तो जीएसटी अधिकारी जानकारी नहीं दे सके जिस पर डीएम ने नाराजगी जताई। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी केवल चालान तक सीमित न रहें बल्कि होटलों का अनिवार्य पंजीकरण सुनिश्चित करें। साथ ही चेतावनी दी कि शासकीय कार्य जिस स्तर पर लंबित मिलेंगे संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।डीएम ने लंबित विकास कार्यों, राजस्व वसूली, न्यायालय, थाना व तहसील स्तर के वादों की समीक्षा की।

स्वच्छता पर ग्रहण, खाली प्लाट व नालों में डाल रहे गंदगी

शहर में कुछ लोग खाली प्लाट व नदी नालों में डाल रहे गंदगी, गंदगी के ढेर लगने से स्वच्छता अभियान पर लग रहा पलीता

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम शहर को स्वच्छ व स्वस्थ बनाने के प्रयास कर रहा है। लेकिन, कुछ लोग निगम के इस अभियान को पलीता लगा रहे हैं। हालत यह है कि घर-घर से कूड़ा उठाने के लिए वाहनों के संचालन के बाद भी लोग खाली प्लाट व नदी-नालों में कूड़े का ढेर लगा रहे हैं। इससे जहां स्वच्छता पर ग्रहण लग रहा है वहीं, संक्रामक बीमारियों का भी खतरा भी बढ़ता जा रहा है। स्वच्छता सर्वेक्षण लिस्ट में कोटद्वार शहर बेहतर रैंक हासिल करे इसके लिए शहरवासियों का स्वच्छता के प्रति जागरूक होना आवश्यक है।

कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र के चालीस वार्डों में करीब 45 हजार भवन हैं। जिसमें करीब डेढ़ लाख की आबादी रहती है। प्रत्येक घर से कूड़ा एकत्रित करने के लिए नगर निगम वाहनों का संचालन कर रहा है। डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन के लिए घरों से माह में मात्र तीस रुपये वसूले जाते हैं। लेकिन, कई लोग तीस रुपये का भुगतान करने से बचने के लिए शहर की सूरत बिगाड़ रहे हैं। घरों से निकलने वाले कूड़े को रात के अंधेरे में खाली प्लाट व नदी नालों के किनारे फेंका जा रहा है। तीन किलोमीटर हिस्से में नगर क्षेत्र के बीच से गुजरने वाले पनियाली गदेरे को भी लोगों ने कूड़ा डंपिग जोन बना दिया है। मोटर नगर में अधुनिक बस अड्डे के लिए चिह्नित स्थान पर भी कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। दुर्गंध के कारण राहगीरों का पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। कई बार लोग मरे हुए जानवरों को भी इस गड्ढे में फेंक देते हैं। जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा बना रहता है। कई घरों के आसपास खाली प्लाट में भी यही स्थिति बनी हुई है। ऐसी स्थिति में यदि आमजन ने यह लापरवाही नहीं छोड़ी तो शहर की स्थिति बिगड़नी तय है। जबकि, नगर निगम भी समय-समय पर आमजन को जागरूक करने के लिए अभियान चलाता रहता है। कुछ माह पूर्व ही निगम के अधिकारियों ने वार्डों में पहुंचकर लोगों को घर का कूड़ा निगम के वाहन में ही डालने की अपील की थी।

कोटद्वार के मोटर नगर में सड़क किनारे फेंका गया कूड़ा

निगम के पास संसाधनों की कमी

वर्ष-2018 में कोटद्वार नगर निगम का गठन किया गया था। चालीस वार्डों में कूड़ा सहित अन्य व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए निगम पिछले आठ वर्षों से लगातार प्रयास कर रहा है। बावजूद अब भी निगम के पास सफाई कर्मियों सहित अन्य संसाधनों की कमी है। वाहन चालकों के 41 पद सृजित हैं जिन्हें आउसोर्स, संविदा, उपनल व पीआरडी कर्मियों के जरिये भरा गया है। पर्यावरण पर्यवेक्षक के सृजित 20 पदों में कोई तैनाती नहीं है। पर्यावरण मित्र के 271 पदों में 54 कर्मी नियमित हैं। जबकि, अन्य आउटसोर्स व समिति के जरिये भरे गए हैं। वर्तमान में नगर निगम डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने वाले वाहनों की संख्या भी बढ़ा रहा है।

बनाई आदत तो सुधरेगी सूरत

यदि शहरवासियों ने अपनी आदत में स्वच्छता को अपनाया तो शहर की सूरत बदल जाएगी। हमें सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकने के बजाय कूड़ेदान का उपयोग करना चाहिए। बच्चों को भी स्वच्छता की जानकारी दी जानी चाहिए। सड़क पर कूड़ा फेंकने से नालियों के चेक होने का खतरा बना रहता है। जिससे सड़क पर जलभराव जैसी स्थिति होती है।

गुलदार व भालू की धमक, दहशत में ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रखंड एकेश्वर के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में गुलदार व भालू का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है, आए दिन जंगली जानवर मवेशियों को निवाला बना रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। शाम ढलते ही ग्रामीणों को बाहर निकलना दूभर हो गया है। ग्रामीणों ने वन विभाग से जंगली जानवरों को आबादी क्षेत्र में आने से रोकने के लिए ठोस इंतजाम करने की मांग की है। क्षेत्रीय जन की माने तो गुलदार कई बार आबादी वाले क्षेत्रों में घूमता हुआ देखा गया है। भालू भी खेतों और जंगल से सटे गांवों में पहुंच रहे हैं। इस कारण बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं सबसे अधिक डर रहे हैं। पशुपालकों को भी अपने मवेशियों की सुरक्षा को लेकर चिंता सता रही है। ग्रामीणों ने बताया कि वन विभाग को कई बार सूचना देने के बावजूद अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है। क्षेत्रीय जन ने वन विभाग से गश्त बढ़ाने और पिंजरे लगाकर जंगली जानवरों को पकड़ने की मांग की है। बताना जरूरी है कि भालू के आतंक के कारण बीते जनवरी माह में पोखड़ा प्रखंड के बस्टांग गांव के एक परिवार को अपना घर छोड़ने को मजबूर होना पड़ा। एकेश्वर क्षेत्र के सिमारखाल निवासी भूपेंद्र सिंह, बैंदुल निवासी राकेश ग्वाड़ी ने बताया कि कई बार विद्यालय जाने वाले छात्रों को रास्ते में गुलदार दिखाई देने से वापस आना पड़ रहा है। वन्य जीवों के आतंक के कारण महिलाओं को भी चारापत्ती लाने में परेशानी हो रही है।

64 पव्वे अंग्रेजी शराब के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

कोटद्वार कोतवाली की हिरासत में शराब के साथ पकाड़ा गया व्यक्ति

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में नशे के खिलाफ पुलिस का अभियान जारी है। इसके तहत पुलिस लगातार चेकिंग अभियान भी चला रही है। बुधवार को पुलिस ने 64 पव्वे अंग्रेजी शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

कोतवाली पुलिस ने 64 पव्वे अंग्रेजी शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि शहर में नशे के खिलाफ अभियान के लिए पुलिस की विशेष टीम गठित की गई है। बताया कि क्षेत्र में गश्त के दौरान शिवपुरी निवासी विपिन को शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। व्यक्ति के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। बताया कि नशे के खिलाफ अभियान के लिए लगातार गश्त की जा रही है। साथ ही आमजन से भी शहर को नशा मुक्ति बनाने के लिए सहयोग की अपील की गई है।

झंडीचौड़ में हाथियों की धमक, बर्बाद की फसल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : वन विभाग के लाख दावों के बाद भी आबादी क्षेत्र में हाथियों की धमक थमने का नाम नहीं ले रही। भाबर क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड नंबर 37 पश्चिमी झंडीचौड़ में आए दिन हाथी आबादी में पहुंचकर फसल बर्बाद कर रहे हैं। काश्तकारों ने वन विभाग से क्षेत्र में हाथी सुरक्षा दीवार बनवाने की मांग की है। कहा कि फसल बर्बाद होने से काश्तकारों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

झंडीचौड़ का अधिकांश भाग जंगल से सटा हुआ है। यही कारण है कि आए दिन जंगल से निकलकर हाथी आबादी में पहुंच रहे हैं। सोमवार रात हाथी ने काश्तकार पुष्पा देवी, रघुवीर सिंह के खेत में खड़ी गेहूं की फसल को बर्बाद कर दिया। पार्षद सुखपाल शाह ने बताया कि क्षेत्र के अधिकांश परिवार खेती पर ही निर्भर हैं। लेकिन, फसल बर्बाद होने से काश्तकारों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। कई काश्तकार को खेती छोड़ने को भी मजबूर हो गए हैं। बताया कि हाथी सुरक्षा दीवार निर्माण के लिए कई बार जनप्रतिनिधि व अधिकारियों को पत्र दे चुके हैं। लेकिन, अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। बताया कि वर्ष 2003 में क्षेत्र में फेसिंग लाइन बिछाई थी। लेकिन, रखरखाव के अभाव में यह भी पूरी तरह टूट चुकी है। कहा कि जंगली जानवरों से निजात के लिए वार्डवासियों को पटाखे व गांधी बंदूक और टार्च दिया जाना चाहिए। साथ ही क्षेत्र में वन कर्मियों की गश्त भी बढ़ाई जानी चाहिए।

कोटद्वार के झंडीचौड़ में हाथियों द्वारा बर्बाद की गई फसल

कोटद्वार निवासी सैनिक की इलाज के दौरान मौत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत उमरावनगर निवासी 18-महा रेजीमेंट के सूबेदार जगमोहन सिंह बिष्ट की इलाज के दौरान मौत हो गई। जगमोहन सिंह बिष्ट को पेट दर्द की शिकायत के बाद देहरादून सैन्य अस्पताल में भर्ती करवाया गया था।

मूल रूप से रिखणीखाल ब्लाक के अंतर्गत ग्राम घेड़ी-ढाबखाल निवासी जगमोहन सिंह बिष्ट परिवार के साथ कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत उमरावनगर में रह रहे थे। वर्तमान में उनकी तैनाती कारगिल में थी। ग्राम ढाबखाल निवासी जैन सिंह बिष्ट ने बताया कि कुछ दिन पूर्व ही जगमोहन छुट्टी लेकर घर आए थे। घर में पेट दर्द की शिकायत के बाद उन्हें देहरादून के आर्मी हास्पीटल में भर्ती करवाया गया, जहां उनका निधन हो गया। बताया कि बुधवार को उनकी पार्थिव देह को कोटद्वार स्थित आवास में लाया गया, जहां से उनकी अंतिम यात्रा शुरू हुई। बताया कि जगमोहन सिंह बिष्ट मिलनसार व्यक्ति थे। उनके बड़े भाई भी सेना में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। बुधवार को सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत उमरावनगर में दिवंगत सैनिक को सलामी देते सेना के जवान

देवलाणी मैदान में 18 फरवरी को लगेगा बहुउद्देशीय शिविर

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी प्रतीक जैन की अध्यक्षता में जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत तहसील बसुकेदार के देवलाणी मैदान (बक्सीर) में आगामी 18 फरवरी को बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया जायेगा। इस शिविर में जनपद के समस्त विभागों द्वारा प्रतिभाग करते हुए अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं, कार्यक्रमों एवं सेवाओं की विस्तृत जानकारी आमजन को उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का मौके पर ही लाभ प्रदान किया जाएगा। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने स्टाल एवं प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जहां विभागीय कार्मिकों द्वारा स्थानीय जनमानस को जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी तथा लोगों की समस्याओं को सुना एवं मौके पर ही उनका निराकरण किया जाएगा।

अनदेखी पर भड़के कर्मचारी, कार्यबहिष्कार जारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पदोन्नति सहित विभिन्न समस्याओं को लेकर लोक निर्माण विभाग के निर्माण खंड दुगड्डा के मिनिस्टीरियल कर्मचारियों का कार्यबहिष्कार बुधवार को भी जारी रहा। कर्मचारियों ने जल्द समस्याओं का निराकरण नहीं होने पर आंदोलन को तेज करने की चेतावनी दी।

प्रांतीय कार्यकारिणी के आह्वान पर कर्मचारियों ने कार्यबहिष्कार जारी रखा। कर्मचारी अपने कार्यों से विरत होकर समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर धरने पर डटे हुए थे। खंडीय अध्यक्ष अजय कुमार व खंडीय सचिव नीरज गुसाईं ने कहा कि कर्मचारी पूरी ईमानदारी के साथ अपने कार्यों का निर्वहन कर रहे हैं। बावजूद उनकी अनदेखी की जा रही है। कर्मचारियों ने कार्यालय की ओर से संघ के कर्मियों के स्थानांतरण एक्ट के तहत पारस्परिक स्थानांतरण नहीं करने पर रोष व्यक्त किया। कहा कि जब तक स्थानांतरण की धारा 18(5) एवं अक्टूबर 2025 में स्पष्ट किए गए प्रावधानों के अनुसार मिनिस्ट्रीयल संवर्ग के पारस्परिक स्थानांतरण नहीं किए जाते। साथ ही कर्मिकों की पदोन्नति नहीं होती तब तक संघ का कार्यबहिष्कार जारी रहेगा। इस मौके पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बुद्धि बल्लभ नौटियाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी बुद्धि लाल, महावीर कठैत, अमित पंत, अजय आदि मौजूद रहे।

नवनिर्मित पुल की गुणवत्ता पर उठाएं सवाल

श्रीनगर गढ़वाल : करोड़ों की लागत से यहां अलकनंदा नदी पर टोडेंश्वर टापू को संगम और प्रसिद्ध रघुनाथ मंदिर से जोड़ने के लिए नवनिर्मित पैदल पुल के फर्श पर लगी लोहे की प्लेटों की वेल्डिंग उखड़नी शुरू हो गई है। इससे आवाजाही में खतरा पैदा हो रहा है। स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवालिया निशान लगाए हैं।

राज्य योजना के अंतर्गत 498.41 लाख रुपये की लागत से तैयार इस 70 मीटर स्पान के पुल का लोकार्पण बीते दिसंबर 2024 में क्षेत्रीय विधायक विनोद कंडारी द्वारा किया गया था, लेकिन लोकार्पण के एक वर्ष बाद ही निर्माण कार्य की परतें खुलने लगी हैं। पुल की सतह पर प्लेटें उखड़ने से स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं को पुल में जाने से भय का सामना करना पड़ रहा है। बदहाली का आलम केवल पुल तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इस पुल को जोड़ने वाली सड़क की हालत भी दयनीय बनी हुई है।

सड़क पर बने गड्ढे आए दिन दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं, जिनमें कई दुपहिया वाहन सवार चोटिल हो चुके हैं। स्थानीय निवासी मुकेश पंचपुरी, त्रिवेंद्र रावत का कहना है कि पांच करोड़ की भारी-भरकम राशि खर्च होने के बावजूद चंद महीनों में ही पुल और सड़क का इस तरह क्षतिग्रस्त होना कार्यदायी संस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लगाता है। क्षेत्रवासियों ने शासन-प्रशासन से निर्माण कार्य की जांच कराने और तत्काल मरम्मत की मांग उठाई है, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे को टाला जा सके। सहायक अभियंता यतेंद्र रावत ने कहा कि पुल से दुपहिया वाहनों की आवाजाही से इस तरह की दिक्कत हो रही है, जल्द ही इसे ठीक कर दिया जाएगा। (एजेंसी)

वाहन फिटनेस के लिए नहीं लगेगी ऋषिकेश व देहरादून की दौड़

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार क्षेत्र के वाहन चालकों को अब अपने वाहनों की फिटनेस के लिए ऋषिकेश व देहरादून की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। कोटद्वार के सहायक संभागीय परिवहन कार्यालय में ही वाहनों की फिटनेस जांच की जाएगी।

बताते चलें कि गढ़वाल जीप टैक्सी समिति सहित विभिन्न यातायात संगठनों का कहना था कि वर्तमान व्यवस्था के तहत वाहनों को फिटनेस के लिए हरिद्वार एवं ऋषिकेश स्थित आटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन में भेजा जा रहा है। जिससे वाहन चालकों को अनावश्यक आर्थिक बोझ, अतिरिक्त ईंधन व्यय व समय की बर्बादी का सामना करना पड़ रहा है।

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने इस समस्या का त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित किया। जिसके बाद यह तय किया गया कि कोटद्वार स्थित सहायक संभागीय परिवहन कार्यालय में ही वाहनों की फिटनेस प्रक्रिया पुनः प्रारंभ होगी। गढ़वाल जीप टैक्सी समिति के अध्यक्ष अमरदीप सिंह रावत, जगमोहन सिंह नेगी, दीन मोहम्मद, ई रिक्शा यूनियन के अध्यक्ष जगदीश चौधरी, रमेश बड़थ्वाल, विजयपाल चौधरी, मनोज पटवाल सहित अन्य वाहन चालक ने विधानसभा अध्यक्ष का आभार जताया।

सीनियर वर्ग में वनिशा व जूनियर वर्ग में अपेक्षा रही अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बच्चों को यातायात के प्रति जागरूक करने के लिए परिवहन विभाग के सहायक संभागीय परिवहन कार्यालय की ओर से चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में वनिशा, जूनियर में अपेक्षा व प्राथमिक वर्ग में प्रिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत मोटाढांक स्थित बाल भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में जागरूकता अभियान के तहत चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ परिवहन कर अधिकारी जयंत वशिष्ठ, विद्यालय के प्रबंधक गिरिराज सिंह रावत व दलजीत सिंह ने संयुक्त रूप से किया। अतिथियों ने छात्र-छात्राओं को यातायात के नियमों की विस्तृत जानकारी दी। तत्पश्चात सीनियर, जूनियर व प्राथमिक वर्ग की चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई। सीनियर वर्ग में वनिशा प्रथम, संदीप द्वितीय व योगिता तृतीय रही। जूनियर वर्ग में अपेक्षा प्रथम, नाविका द्वितीय व निधि तृतीय रही। प्राथमिक वर्ग में प्रिया प्रथम, अंशिका द्वितीय व सारिका तृतीय रही। सभी विजेता प्रतिभागियों को संभागीय परिवहन विभाग की तरफ से पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर संदीप बिष्ट, सुशील बछवान, विजेंद्र प्रसाद, सुमित शर्मा, प्रिया, देवेश भट्ट, अंकित डोभाल मौजूद रहे।

बालभारती पब्लिक स्कूल में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले बच्चे

चुनौतियों को अवसर में बदलने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति जरूरी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : गढ़वाल विवि के बीजीआर परिसर में एक दिवसीय सह-प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला के मुख्य वक्ता माधव इंश्योरेंस ब्रोकर्स प्रा.लि. के प्रबंध निदेशक डॉ. हिमांशु गोयल ने छात्र- छात्राओं को अभी से सकारात्मक मानसिकता, व्यवस्थित सोच और सार्थक जीवनशैली के मनोवैज्ञानिक टिप्स दिए। एचओडी राजनीति विज्ञान डॉ. मनोज कुमार ने चुनौतियों को अवसर में बदलने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति का होना जरूरी बताया। परिसर निदेशक प्रो. यूसी गैरोला ने युवाओं को जीवन में सफलता और चुनौतियों का सामना करने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण को जरूरी है। बताया कि सही मार्गदर्शन और दृष्टिकोण के बूते ही युवा अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। संचालन करते हुए सहायक प्राध्यापक डॉ. गौतम कुमार ने युवाओं को अभी से कार्यशाला में दी गई जानकारियों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर शिक्षाविद प्रो. पीयूष सिन्हा, डॉ. राम प्रकाश, डॉ. धर्मेंद्र कुमार, डॉ. विपुल सिंह, डॉ. प्रशांत डबराल, डॉ. रश्मि नौटियाल आदि मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग (ए.सी.ओ.) उत्तर रैलवे, मुरादाबाद मंडल के द्वारा वाटर वेंडिंग मशीन, पार्किंग, पे एंड यूज, एम.पी.एस. एवं A-1, A & B कैटेगरी के रेलवे स्टेशनों पर कैटरिंग स्टाल (स्पेशल माइनर यूनिट्स) के कार्य को IREPS के माध्यम से मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर ठेके पर देने हेतु ई–बोलियाँ www.ireps.gov.in पर क्रमशः दिनांक 03.03.2026, 05.03.2026 एवं 06.03.2026 को आमंत्रित की जाती हैं, जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 470/2026

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

विभाग	Electrical (TRD)
टेंडर नं.	T-16-TRD-MB-25-26
कार्य का नाम	मुरादाबाद डिवीजन के बुंदकी, हापुड़, इकबालपुर, डकावर, हरबिन्दपुर और नजीबाबाद स्टेशनों पर रेलवे माल गोदामों से संबंधित टी.आर.डी. का कार्य।
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	05.03.2026, 15:00 Hrs.
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	₹ 73,44,062.94/- (Including GST @ 18%)
बिड सिक्यूरिटी राशि (₹)	₹ 1,46,900/-
निविदा प्रपत्र मूल्य (₹)	NIL
ऑफर की वैधता (दिन)	60 दिन
कार्य पूरा करने की अवधि	06 माह
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in, Divisional Railway Manager's Office, Northern Railway, Moradabad

निविदा सूचना सं : Elect/TRD/MB/2025-26/TN-19 दिनांक 11.02.2026 487/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनकर तैयार, सेवाओं के लिए 31 मार्च तक का इंतजार

नई टिहरी। जौनपुर ब्लॉक के श्रीकोट क्षेत्र के लोगों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उप स्वास्थ्य केंद्र) की सेवाएं शुरू होने के लिए अब 31 मार्च तक इंतजार करना पड़ सकता है। निर्माणाधीन आयुष्मान आरोग्य मंदिर का भवन निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। स्वास्थ्य विभाग ने भवन को हैंडओवर लेने का काम शुरू कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग ने पहले दिसंबर से केंद्र का संचालन करने की बात कही थी लेकिन पानी और बिजली का कनेक्शन लेने की प्रक्रिया तय समय पर कार्य पूरा न होने से लोकार्पण की तिथि भी पीछे खिसकती जा रही है। श्रीकोट में उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही थी। वर्ष 2020 में सरकार ने केंद्र के लिए 42.47 लाख रुपये की स्वीकृति दी थी लेकिन भूमि के अभाव में यह प्रोजेक्ट अटका हुआ था। गत वर्ष श्रीकोट गांव निवासी रणवीर सिंह बिष्ट ने स्वास्थ्य विभाग को अपनी दो नाली भूमि दान देकर इस कार्य को गति दी थी। कार्यदायी संस्था ग्रामीण निर्माण विभाग के जेई पंकज राणा ने बताया कि उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण अब पूरा हो चुका है। बिजली का कनेक्शन लेने के लिए विभाग ने आवेदन किया है। इस माह के अंत तक भवन स्वास्थ्य विभाग को हैंडओवर कर दिया जाएगा। आयुष्मान आरोग्य मंदिर का संचालन शुरू होने से श्रीकोट, कोट, भटवाड़ी, बिष्टैंसी, घियाकोटी, सेंदुल, झिंगेरी, घराणा, एंदी गांव के लोगों इसका लाभ मिलेगा। अब तक श्रीकोट क्षेत्र के लोगो को बुखार, सिरदर्द की दवाई लेने के लिए भी 30 किमी दूर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नैनबाग का रुख करना पड़ता है। उप स्वास्थ्य केंद्रों को सरकार ने अब आयुष्मान आरोग्य मंदिर का नाम दिया है। श्रीकोट में भवन तैयार हो चुका है। भवन को हैंडओवर लेने की प्रक्रिया चल रही है।

संक्षिप्त समाचार

एमकेपी पीजी कॉलेज में आयोजित हुआ सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा अभियान

देहरादून। एमकेपी पीजी कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) विशेष शिविर के अंतर्गत सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देहरादून के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ममता सिंह ने युवाओं को सार्वजनिक जीवन में अनुशासन की महत्ता समझाई और कहा कि युवाओं का जीवन देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए उन्हें स्वयं की सुरक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए। विशेष वक्ता के रूप में आमंत्रित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देहरादून के प्राविधिक कार्यकर्ता उमेश्वर रावत ने छात्राओं को सड़क सुरक्षा एवं जीवन रक्षा के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने यातायात के मूलभूत नियमों पर प्रकाश डालते हुए दोपहिया वाहन पर तीन सवारी न बैठाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा जेब्रा क्रॉसिंग जैसे आवश्यक नियमों का अनुपालन करने का आह्वान किया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय को पुण्यतिथि पर किया याद

देहरादून। महानगर भाजपा कार्यालय में बुधवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि को सेवा समर्पण कार्यक्रम के रूप में मनाया गया। महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय को नमन करते हुए कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के द्वारा बताए मार्ग पर चल रही है। उनका भारतीय चिंतन बड़ा विस्तार पूर्ण रहा। मुख्य अतिथि पार्टी महामंत्री कुंदन परिहार वे महान चिंतक दार्शनिक व राष्ट्रवादी विचारधारा के व्यक्ति थे।

सुराज सेवा दल ने नगर निगम के खिलाफ किया धरना,प्रदर्शन

देहरादून। सुराज सेवा दल के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को नगर निगम में धरना प्रदर्शन दिया। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाते हुए कहा कि नगर निगम अतिक्रमण हटाने के नाम पर भ्रष्टाचार कर रहा है। वक्ताओं ने कहा कि सरकारी जमीनों पर कब्जे हो रहे हैं। लेकिन निगम कार्रवाई के नाम पर गरीबों का उत्पीड़न कर रहा है।

दून में आज से शुरू होगा द्रोणा महोत्सव

देहरादून। राजधानी के आईटी पार्क रोड स्थित सहस्त्रधारा मार्ग पर गुरुवार से 10 दिवसीय द्रोणा महोत्सव 2026 शुरू होगा। भारतीय ग्रामोत्थान संस्था की ओर से आयोजित इस महोत्सव में उत्तराखंड की पारंपरिक हस्तशिल्प, कला और स्थानीय उत्पादों की झलक देखने को मिलेगी। बुधवार को प्रेस क्लब में पत्रकारों से बातचीत में संस्था के निदेशक अनिल चंदोला ने बताया कि इस 4वें द्रोणा महोत्सव में प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ–साथ अन्य राज्यों के शिल्पकार भी अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। महोत्सव में हिमाद्रि, उत्तराखंड बांस एवं फाइबर विकास परिषद और नेशनल जूट बोर्ड जैसे संस्थानों के सहयोग से विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे। आयोजन स्थानीय उद्यमियों और बुनकरों को एक बड़ा मंच प्रदान करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

प्री–लिटिगेशन प्रकरणों के निस्तारण के लिए 14 मार्च को होगी लोक अदालत

देहरादून। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशन में उत्तर-खण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के तत्वावधान में उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति, नैनीताल एवं राज्य के समस्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों की ओर से 14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक उत्तराखण्ड राज्य के माननीय उच्च न्यायालय, समस्त जिला एवं अधीनस्थ न्यायालयों, समस्त पारिवारिक न्यायालयों, श्रम न्यायालयों, वाणिज्यिक न्यायालयों, राज्य एवं समस्त जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोगों तथा ऋण वसूली अभिकरण, देहरादून में किया जाएगा। प्रभारी अधिकारी, जिला कार्यालय टिहरी गढ़वाल ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री–लिटिगेशन प्रकरणों (ऐसे मामले जो अभी न्यायालय में दायर नहीं हुए हैं) और न्यायालयों में लंबित विभिन्न प्रकृति के वादों का सुलह–समझौते के आधार पर निस्तारण किया जाएगा। इनमें फौजदारी के शमनीय मामले, धारा 138 एन.आई. एक्ट के मामले, धन वसूली से संबंधित प्रकरण, मोटर वैवाहिक/कुटुम्ब न्यायालयों के मामले, आईपीआर/ उपभोक्ता मामले, किसी अर्ध–न्यायिक प्राधिकरण के समक्ष लंबित मामले, मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत शमनीय यातायात चालान एवं अन्य ऐसे सभी मामले जिनका निस्तारण आपसी सुलह–समझौते के माध्यम से संभव है,

एंगलर हट और रैन बसेरों का होगा कायाकल्प

धारी देवी मंदिर का प्रकाशीकरण कार्य फरवरी माह के अंत तक होगा पूर्ण

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया की अध्यक्षता में जिला कार्यालय स्थित एनआईसी कक्ष में जिला पर्यटन विकास समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान पर्यटन विभाग की परिसंपत्तियों को किराए पर दिए जाने और उनके प्रभावी संचालन पर विस्तृत चर्चा की गयी। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिलाधिकारी ने धारी देवी मंदिर के प्रकाशीकरण कार्य की समय सीमा निर्धारित करते हुए कार्यदायी संस्था को फरवरी माह के अंत तक समस्त कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। एंगलर हट और रैन बसेरों का जल्द कायाकल्प होगा।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सतपुली स्थित एंगलर हट को शीघ्र फर्निश किया जाए और सभी विभागीय परिसंपत्तियों के रख रखाव हेतु आवश्यक अंशदान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि पर्यटन विभाग की परिसंपत्तियों पर अतिक्रमण हो तो तत्काल कार्रवाई करें। खिर्सू स्थित बासा होम स्टे की समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि संचालकों द्वारा किराया जमा नहीं किया जा रहा है, जिस पर जिलाधिकारी ने सुरक्षा राशि वसूली करने तथा मरम्मत के उपरांत दोबारा टेंडर आमंत्रित करने के निर्देश दिए। डांडा नागराजा स्थित रैन बसेरे के लिए ओपन टेंडर प्रक्रिया शुरू करने और श्रीनगर स्थित रैन बसेरे को बेहतर प्रबंधन हेतु नगर निगम श्रीनगर को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया। जिलाधिकारी ने जिला पर्यटन विकास अधिकारी खुशाल सिंह नेगी को पौड़ी स्थित जीएमवीएन की पार्किंग का जिला विकास प्राधिकरण के साथ संयुक्त निरीक्षण कर उसे जल्द हैंडओवर करने की प्रक्रिया पूरी करने को कहा। इसके साथ ही श्रीनगर में निर्मित दुकानों और कॉम्प्लेक्स के टेंडर पर भी सहमति बनी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत, प्रभागीय वनाधिकारी महातिम यादव, उपनिरीक्षक प्रवीण रावत और संबंधित विभागों के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

सगे भाई पर जानलेवा हमला करने वाले अभियुक्त को भेजा जेल

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पौड़ी पुलिस ने सगे भाई पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अभियुक्त की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार (पाठल) को भी बरामद कर लिया है। अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी सर्वेश पंवार ने कहा कि गत सोमवार को राकेश कुमार निवासी पाबौ, पौड़ी द्वारा कोतवाली पौड़ी में एक लिखित शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया। राकेश ने शिकायती पत्र में बताया कि 7 फरवरी 2026 को रात्रि में उनके भाई कुलदीप सिंह द्वारा छोटे भाई राजेन्द्र सिंह के साथ विवाद कर जान से मारने की नीयत से धारदार हथियार (पाठल) से सिर पर वार किया गया, जिससे राजेन्द्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त तहरीर के आधार पर कोतवाली पौड़ी में अभियुक्त के विरुद्ध आईपीसी की धारा 109 बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली पौड़ी के पर्यवेक्षक में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा साक्ष्य संकलन एवं महत्वपूर्ण जानकारी एकत्रित करते हुए प्रभावी कार्यवाही की गई। इसी क्रम में फॉरेंसिक टीम द्वारा भी घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य संकलित किए गए। पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त कुलदीप सिंह को फल्दवाड़ी, मदकोली से गिरफ्तार किया गया। साथ ही अभियुक्त की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार (पाठल) को भी बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त को विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार पौड़ी भेज दिया गया है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक मुकेश गैरोला, हेड कांस्टेबल सुनील शामिल थे।

चमियाला–घनसाली के बीच मार्च से शुरू होगी पहली सिटी बस सेवा

नई टिहरी। नगर पंचायत चमियाला क्षेत्र के लोगों के लिए खुशखबरी है। आगामी मार्च से नगर पंचायत पहली बार सिटी बस सेवा शुरू करने जा रही है। सिटी बस सेवा शुरू होने से चमियाला से रोजाना घनसाली आने–जाने वाले कर्मचारियों, स्थानीय लोगों और बालगंगा महाविद्यालय सेंदुल के छात्र–छात्राओं को आवागमन की सुविधा मिलेगी। नगर पंचायत बोर्ड के गठन का एक वर्ष पूरा होने पर चमियाला में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में नगर पंचायत की ओर से कई नई योजनाएं संचालित की जा रही है।

लंबे समय से परिवहन सुविधा के अभाव से जूझ रहे क्षेत्रवासियों को अब सिटी बस सेवा की सौगात मिलने जा रही है। घनसाली से चमियाला के बीच नियमित सिटी बस संचालन की तैयारी शुरू हो गई है। आगामी मार्च से इसे शुरू करने की योजना है। नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद सिंह राणा ने बताया कि सिटी बस सेवा के लिए विधायक शक्ति लाल शाह ने विधायक निधि से धनराशि की स्वीकृति दी है। सिटी बस रोजाना चमियाला से घनसाली तक संचालित की जाएगी।

घनसाली ब्लॉक और तहसील मुख्यालय होने के कारण दोनों स्थानों के बीच आवागमन लगातार बना रहता है। चारधाम यात्रा सीजन के दौरान मई से जुलाई तक बसों और जीप–टैक्सियों की कमी के कारण स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए शहरी विकास विभाग की ओर से नगर पंचायत को दो नए कूड़ा वाहन भी जल्द मिलने वाले हैं।

वनाग्नि रोकथाम के लिए सभी इकाइयां सक्रिय करें वन विभाग

नई टिहरी। वनाग्नि सुरक्षा समिति की बैठक लेते हुए डीएम नितिका खंडेलवाल ने वनाग्नि रोकथाम के लिए लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए।

जंगलों को आग से बचाने के लिए वन विभाग को सभी वन पंचायतों और वनाग्नि प्रबंध समितियों को सक्रिय कर ग्राम प्रधानों से भी सहयोग लेने को कहा गया है। कलेक्ट्रेट में आयोजित वनाग्नि सुरक्षा समिति की बैठक में डीएम ने डीपीआरओ से कहा कि गर्मियों में जंगलों को आग से बचाने में सहयोग के लिए प्रधानगणों को जरूरी दिशा–निर्देश जारी करें।

डीएफओ टिहरी पुनीत तोमर ने बताया कि वनाग्नि की रोकथाम के लिए डाइजर में कंट्रोल रूम के अलावा जगह–जगह 53 क्रू स्टेशन बनाए गए हैं। टिहरी वन प्रभाग में 40 वनाग्नि प्रबंध समितियां सक्रिय की गई है।

सामान्य ज्ञान में दीपिका, भाषण में पावनी ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सामाजिक संस्था समलौंण द्वारा जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखंड कल्जीखाल के राजकीय इंटर कॉलेज नलई में शैक्षिक उत्थान एवं पर्यावरण विषय पर छात्र-छात्राओं के मध्य एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में दीपिका और भाषण प्रतियोगिता में पावनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर जूनियर स्तर पर पर्यावरण पर आधारित सामान्य ज्ञान एवं कक्षा 9 से 12 तक पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यावरण चेतना विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में दीपिका कक्षा 12, नीतू, करिश्मा, भाषण प्रतियोगिता में पावनी नेगी, नैंसी, पावनी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सैनिक ग्राम प्रधान नलई प्रतिनिधि कोमल नेगी ने कहा कि छात्र-छात्राओं को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना बहुत आवश्यक है, ताकि बच्चे वृक्षों के महत्व को समझ सके। इस मौके पर समलौण आंदोलन की राज्य संयोजिका सावित्री देवी ममगांई, जिला संयोजक पवन पटवाल, क्षेत्र पंचायत प्रतिनिधि गणेश प्रसाद खंडूरी, सरपंच अजय नेगी, मनोज उनियाल, प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार, एसएमसी अध्यक्षा पार्वती नेगी, शौर्य प्रकाश, प्रवक्ता प्रमोद कुमार, रूपेश कुमार, श्रीमती कमलेश रावत, सत्यपाल सिंह रावत, यशपाल सिंह नेगी, सहायक अध्यापक आर.के कोहली, विजय बिष्ट, सूर्य प्रकाश, गिरीश नेगी, श्रीमती स्नेह सिंह, सुनीता पुरोहित, रिद्धि तिवारी आदि उपस्थित थे।

जिले में 16 नोडल अस्पताल चिह्नित, एक्सरे, अल्ट्रासाउंड और एंबुलेंस सुविधाओं में होगा सुधार

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया की अध्यक्षता में जिला कार्यालय स्थित एनआईसी कक्ष में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनपद के दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण और पीसीपीएनडीटी एक्ट का कड़ाई से पालन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे पर विस्तृत चर्चा करते हुए एक महत्वपूर्ण रणनीति साझा की। उन्होंने बताया कि जनपद की विषम भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए जीआईएस द्वारा 16 अस्पतालों को विशेष ह्यनोडल अस्पतालह्न के रूप में चिह्नित किया गया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जनपद के किसी भी दुर्गम क्षेत्र के मरीज को सामान्य एक्सरे, अल्ट्रासाउंड, डायग्नोस्टिक परीक्षण और सुरक्षित प्रसव जैसी अनिवार्य सेवाओं के लिए 30 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय न करनी पड़े। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ केवल जिला मुख्यालय तक सीमित न रहकर अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। चिकित्सा सुविधाओं को धरातल पर उतारने के लिए जिलाधिकारी ने बीरोंखाल, चेलूसैंण और घंडियाल जैसे केंद्रों में तत्काल एक्सरे सेवा शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि बीरोंखाल, सतपुली में साप्ताहिक अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू कर दी गई है। कहा कि जनता को इन सुविधाओं के लिए बड़े शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने पाबौ तथा यमकेश्वर में भी साप्ताहिक सेवा तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान विगत छः माह में सरकारी अस्पतालों में प्रसव की कम संख्या पर जिलाधिकारी ने गहरा असंतोष और कड़ी नाराजगी व्यक्त की। डीएम ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शिव मोहन शुक्ला को सीधे निर्देश दिए कि स्वास्थ्य केंद्रों की प्रदर्शन रिपोर्ट तैयार की जाए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि जो एलएमओ अपने कर्तव्यों के प्रति उदासीन हैं या सक्रिय रूप से कार्य नहीं कर रही हैं, उनका तत्काल अन्यत्र स्थानांतरण किया जाए। जिलाधिकारी ने दो टूक शब्दों में कहा कि मातृत्व स्वास्थ्य और सुरक्षित प्रसव के लक्ष्य में किसी भी स्तर पर शिथिलता अक्षम्य होगी और इसकी सीधी जिम्मेदारी संबंधित एमओआईसी की होगी। बैठक में एसीएमओ डॉ. पारुल गोयल, डॉ. विनय त्यागी, सीएमएस पौड़ी डॉ. एल डी सेमवाल, कोटद्वार डॉ. विजय कुमार, डॉ. हितेन जंगपांगी, डॉ. रुचि कुमारी सहित सभी एमओआईसी भी उपस्थित रहे।

नैनीडांडा और रिखणीखाल में खुशियों की सवारी सेवा शुरू

जनपद के दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करते हुए अब नैनीडांडा और रिखणीखाल में भी खुशियों की सवारी सेवा शुरू कर दी गई है। जिलाधिकारी ने बताया कि इस सुविधा के माध्यम से अब इन क्षेत्रों की प्रसूताओं और नवजात शिशुओं को अस्पताल से घर तक सुरक्षित और निःशुल्क परिवहन सेवा उपलब्ध होगी। इस पहल का मुख्य उद्देश्य दुर्गम अंचलों में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना और मातृ-शिशु स्वास्थ्य सुरक्षा को सशक्त करना है।

रेफरल प्रक्रिया को किया जा रहा सुदृढ़, गंतव्य अस्पताल को भेजी जाएगी पूर्व सूचना

मरीजों को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल रेफर किए जाने की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी और जीवन-रक्षक बनाने के लिए जिलाधिकारी ने जिला रेफरल योजना के कड़ाई से अनुपालन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अक्सर रेफरल के दौरान सूचना के अभाव में गंतव्य अस्पताल तैयारी नहीं कर पाता, जिससे बहुमूल्य समय नष्ट होता है।

इस समस्या के समाधान हेतु उन्होंने निर्देश दिए कि रेफरल के समय ही गंतव्य अस्पताल को पहले से सूचना दी जाए, ताकि मरीज के वहां पहुंचते ही संबंधित विशेषज्ञ और बेड पूरी तैयारी के साथ उपलब्ध रहें। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को स्पष्ट किया कि रेफरल केवल औपचारिकता न होकर एक व्यवस्थित जीवन-रक्षक कड़ी होनी चाहिए, जिसमें देरी की कोई गुंजाइश न हो।

जरूरतमंदों को मिले कंबल और तिरपाल

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद में बढ़ती ठंड के दृष्टिगत जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने बुधवार को जिला कार्यालय में जरूरतमंद परिवारों को राहत सामग्री वितरित की। प्रशासन एवं भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विकासखंड पौड़ी, कोट, खिर्सू, पाबौ एवं कल्जीखाल के पात्र व्यक्तियों को कम्बल, तिरपाल और किचन सेट प्रदान किए गए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन का संकल्प है कि जनपद का कोई भी असहाय व्यक्ति ठंड में असुरक्षित न रहे और सहायता अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने रेडक्रॉस सोसायटी के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में भी आपदा एवं विषम परिस्थितियों में इसी तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. शिव मोहन शुक्ला, एसीएमओ पारुल गोयल, मुख्य शिक्षाधिकारी अत्रेय सयाना, जिला सचिव रेड क्रॉस केसर सिंह असवाल सहित कार्यकारिणी के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

भंग्यूल में शराब पीने–पिलाने पर 21000 रुपये जुर्माना

चमोली। विकासखंड के भंग्यूल गांव में ग्रामीणो ने सार्वजनिक बैठक आयोजित कर गांव में शराब पीने–पिलाने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया है। ग्राम प्रधान मिथलेश फरस्वाण की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया कि गांव में किसी भी सार्वजनिक कार्यों में शराब पीने व पिलाने पर संबंधित परिवार से 21000 रुपये अर्थदंड वसूला जाएगा। महिला मंगल दल की महिलाओं द्वारा गांव में शराब के विरुद्ध निगरानी रखी जाएगी। गांव में माह में एक बार स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इस मौके पर महिला मंगल दल अध्यक्ष पार्वती देवी, कमलेश बिष्ट आदि मौजूद रहे।

निजी वाहनों से अवैध रूप से सवारी ढोने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

चारधाम यात्रा की तैयारियों को लेकर डीएम की टैक्सी यूनियन संचालकों संग महत्वपूर्ण बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : आगामी चारधाम यात्रा के सफल, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित संचालन के दृष्टिगत बुधवार को जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग प्रतीक जैन की अध्यक्षता में जनपद के टैक्सी यूनियन संचालकों, होटल यूनियन पदाधिकारियों एवं डंडी कंडी संचालकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी यूनियन प्रतिनिधियों के साथ विस्तार पूर्वक संवाद स्थापित करते हुए चारधाम यात्रा के संचालन के दौरान संभावित समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग को निर्देशित किया कि जनपद में निजी वाहनों द्वारा अवैध रूप से किराये पर सवारी ढोने की प्रवृत्ति पर कठोर प्रवर्तन कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे अधिकृत वाहन संचालकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा यात्रियों की सुरक्षा एवं व्यवस्था सुचारु बनी रहे। बैठक के उपरांत उपजिलाधिकारी ऊखीमठ एवं एआरटीओ रुद्रप्रयाग ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में जनपद में शीघ्र ही विशेष चेकिंग अभियान संचालित किया जाएगा। इस अभियान के दौरान यदि कोई निजी वाहन व्यावसायिक रूप से सवारी ढोते हुए पाया जाता है, तो ऐसे वाहनों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में चालान की कार्रवाई करते हुए वाहन को सीज किया जाएगा। साथ ही संबंधित वाहन स्वामियों से भारी जुर्माना एवं कर की वसूली भी की जाएगी। बैठक में उपजिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल रावत, एआरटीओ रुद्रप्रयाग खुशवंत सिंह चैहान, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत रुद्रप्रयाग संजय कुमार सहित टैक्सी यूनियन के पदाधिकारी आदि उपस्थित रहे।

किनसुर में लगा बहुउद्देश्यीय शिविर, 60 शिकायतें दर्ज

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत विकासखंड द्वारीखाल की न्याय पंचायत किनसुर में बहुउद्देश्यीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 60 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। वहीं विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 110 पात्र लाभार्थियों को लाभ प्रदान किया गया। शिविर में 520 लोगों ने प्रतिभाग किया।

शिविर की अध्यक्षता उप प्रभागीय वनाधिकारी भूमि संरक्षण लैंसडाउन प्रशांत हिंदवाण द्वारा की गई। उन्होंने शिविर में पहुंचे स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को शेष शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने को कहा। शिविर में स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, बाल विकास विभाग, कृषि, उद्यान, आयुर्वेदिक एवं यूनानी, पशुपालन, राजस्व सहित कुल 23 विभागों के स्टॉल लगाए गए। स्टॉलों के माध्यम से लोगों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ आवेदन, प्रमाणपत्र और अन्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई गयी। इस अवसर पर प्रमुख बीना राणा, जिला पंचायत सदस्य महेंद्र राणा, विक्रम बिष्ट, सहायक अभियंता लोनिवि सुदेश बिंजोला, खंड विकास अधिकारी जयकृत बिष्ट, खंड शिक्षाधिकारी डॉ. सुरेन्द्र सिंह, चिकित्साधिकारी डॉ. अरिहंत सेनी सहित अन्य अधिकारी और स्थानीय लोग उपस्थित थे।

एस्केप टनल को समानांतर सड़कों के रूप में विकसित किया जाए : धामी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : राज्य में प्रस्तावित रेल परियोजनाओं में टनल के साथ बनने वाले एस्केप टनल को समानांतर सड़कों (पैरेलल रोड्स) के रूप में विकसित किया जा सके, इसकी व्यवस्था बनाई जाए। ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल लाइन परियोजना में बनी एस्केप टनल का भविष्य में किस प्रकार इस्तेमाल किया जा सकता है, इस पर भी कार्य योजना तैयार जाए साथ ही कर्णप्रयाग से बागेश्वर तक रेल लाइन के विस्तार की संभावना पर भी कार्य किया जाए।

यह निर्देश मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को सचिवालय में राज्य में निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित रेल परियोजनाओं की समीक्षा बैठक के दौरान दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइन परियोजना पर भी तेजी से कार्य करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उक्त परियोजना के अंतर्गत विभिन्न वैकल्पिक मार्गों पर भी विचार किया जाए। कहा कि परियोजना के निर्माण कार्य से अधिकांश क्षेत्र एवं जनता लाभान्वित हो सके इसके लिए अल्मोड़ा एवं सोमेश्वर क्षेत्र को भी जोड़ने की संभावनाओं पर कार्य किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार से टनकपुर बागेश्वर रेल लाइन परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित किए जाने का आग्रह किया जाए, जिससे इसके निर्माण कार्य को गति मिल सकेगी। कहा कि ऋषिकेश कर्णप्रयाग परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित रेलवे स्टेशनों के लिए इंटीग्रेटेड प्लान बनाया जाए।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com